सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

१४ अगस्त

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस



माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेंद्र मोदी

“विभाजनक दुःख कखनहु बिसरल नहि जाय सकैत अछि। हमरासभक लाखहु बहिन आ भाय विस्थापित भS गेलाह आ विवेकशून्य घृणा आ हिंसाक कारण बहुतो अपन जीवन गमा देलनि। अपन लोकक संघर्ष आ बलिदानक स्मृतिमे 14 अगस्त विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसक रुपमे मनाओल जायत।”

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

पृष्ठभूमि

भारतक विभाजन केवल मानचित्रक पुनर्चित्रण नहि छल- ई एक गम्भीर मानवीय त्रासदी छल। 1947 मे घीचल गेल रेखा लाखहु जिनगीक अन्त कऽ देलक। लोक अपनहि घरमे अपरिचित भऽ गेल।टोल-पड़ोस शून्य भऽ गेल, आ शतकहु पुरान सह-अस्तित्वक बन्धन पल भरिमे छिन्न-भिन्न भऽ गेल। लगभग साठि लाख गैर-मुसलमानकेँ ओ क्षेत्र छोड़बाक लेल विवश होबए पड़लनि जे पश्चिमी पाकिस्तान बनल, जखन कि पैंसठि लाख मुसलमान पंजाब,दिल्ली आ भारतक अन्य हिस्सासँ ओतए जाकऽ बसि गेलाह। देशक पूर्वी हिस्सामे सेहो विस्थापनक एहन लहरि चलल : अनुमानतः बीस लाख गैर-मुसलमान पूर्वी बंगाल (आब बांगलादेश) सँ भागि गेलाह, आ लगभग 1950 धरि, बीस लाख आर लोक पश्चिम बंगालमे शऱण लऽ लेलनि। एहि अवधिक बीच, लगभग दस लाख मुसलमान पश्चिम बंगाल छोड़ि देलनि।

एहि उथल-पुथलमे मरैवलाक संख्या अनुमानतः पाँच लाखसँ लऽ कऽ दस लाखसँ अधिक धरि अछि। एतए प्रदर्शित चित्र, मानचित्र आ वस्तु ओहि जिनगीसभक गवाही दैत अछि जे कहियो अपनामे सन्निद्ध छल- अकस्मात आ हिंसक रूपसँ टूटि गेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

माउंटबेटन योजना- एक राष्ट्र के विभाजन की घोषणा



नई दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस जहां विभाजन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई (बाएं से दाएं)
जवाहरलाल नेहरू, लॉर्ड इस्मे (माउंटबेटन के सलाहकार),
वायसराय लॉर्ड लुई माउंटबेटन, मोहम्मद अली जिन्ना

विभाजन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारतक अंतिम वायसराय लॉर्ड माउण्टबेटन एक ऐतिहासिक प्रेस कॉनफरेंस कयलनि। ब्रिटिश भारतक इतिहासमे ई केवल दोसर आ अन्तिम बेरि छल जखन कोनो वायसराय प्रेसकेँ सम्बोधित कयलनि। 300सँ बेसी पत्रकार एकत्रित भेल रहथि-संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, यूरोप आ भारतक कोन-कोनसँ प्रतिनिधि-जे वायसरायक घोषणाकेँ ध्यानसँ सुनि रहल छलाह। एहि घोषणाकेँ माउण्टबेटनक नामसँ जानल गेल- जे भारतक स्वतंत्रता आ एकर विभाजन, दुनुक सम्बन्धमे एक औपचारिक घोषणा कयने छलाह।मूल समय सीमाकेँ लगभग एक बरख आगू बढ़बैत, माउण्टबेटन सत्ता हस्तान्तरणक तिथि 15 अगस्त निश्चित कयलनि।ओ पंजाब आ बंगालक विभाजन सहित विभाजनक रूपरेखा सेहो प्रस्तावित कयलनि।उपस्थित पत्रकारलोकनि तिक्ख प्रश्न उठौलनि- जाहिमे प्रमुख छल : एहि विभाजनक परिणामस्वरूप पलायन करबाक लेल विवश लोकक की होएत?

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

“अपना इंतज़ाम लोग खुद कर लेंगे”: एक आने वाली त्रासदी



LARGEST NET SALES of any Daily Newspaper Printed In Northern, Southern, Central or Western India. REGD. No. B111

The Times of India

ESTABLISHED 1838

NO. 132. VOL. CIX. BOMBAY: WEDNESDAY, JUNE 4, 1947 PRICE TWO ANNAS DO NOT PAY MORE

WAY OUT OF INDIAN DEADLOCK

BRITAIN'S PLAN FOR SMOOTH TRANSFER OF POWER

Immediate Dominion Status Granted

PEOPLE ASKED TO DECIDE PARTITION QUESTION

Present Constituent Assembly Not Disturbed

MR. CHURCHILL'S SUPPORT

Speedy Legislation

Mr. Winston Churchill sprang a surprise on Tuesday when, speaking in the House of Commons after Mr. Attlee had made the statement on India, he promised support to the legislation necessary to give parts of India full Dominion Status.

"It should not be right," he declared, "that such legislation Should be deemed contentious or that any long delay should elapse after it is introduced and before it is passed into law."

(See Page 5)

THE BRITISH GOVERNMENT HAVE PROMISED IMMEDIATE DOMINION STATUS TO INDIA—THIS YEAR—, AN D THEIR PLAN BY WHICH THEY WILL END THEIR 200 YEARS OF RULE PUTS FULL RESPONSIBILITY FOR THE FUTURE OF INDEPENDENT INDIA DIRECTLY ON THE SHOULDERS OF THE INDIAN PEOPLE, LEAVING THEM THE CHOICE OF PARTITION OR OF MAKING UP THEIR DIFFERENCES FOR UNITY'S SAKE.

Two-Fold Purpose

The two-fold purpose of the plan, which was announced simultaneously to the Indian people and in both Houses of Parliament on Tuesday, is (1) to make possible the maximum degree of harmony and co-operation among the Indian

Lord Mountbatten.

"UNIFIED INDIA BEST SOLUTION"

Viceroy's Appeal

"THERE IS INDIAN CONSCIOUSNESS"

NEW DELHI, June 3.

The Viceroy, broadcasting tonight announced that His Majesty's Government had accepted his proposal that they should transfer power to one or two Governments of British India, each

Only Practical Method

PREMIER'S VIEW

Plan Commended To Commons

LONDON, June 3.

The Prime Minister, Mr. Attlee, announced in the House of Commons today that the British offer of Dominion Status to one or two successor Indian authorities had been favourably received by all the three parties represented at the conferences held by the Viceroy with the Indian leaders during the past few days.

The announcement was received with loud cheers.

Mr. Attlee who was announcing the Government's plan for transfer of power to Indians said that the British Government wished to make it clear that they have no intention of attempting to frame the ultimate constitution for India. This was a matter for Indians

MR. NEHRU COMMENDS PLAN TO NATION

Mr. Jinnah Hopeful Of League's Acceptance

SARDAR BALDEV SINGH CALLS IT "SETTLEMENT"

NEW DELHI, June 3.

BROADCASTING to the nation immediately after the announcement of the British Government's plan, Pandit Jawaharlal Nehru said: "It is with no joy in my heart that I commend these proposals to you, though I have no doubt that this is the right course.

"The proposal to allow certain parts to secede, if they so will, is painful for any of us to contemplate. Nevertheless I am convinced that our present decision is the right one even from the larger viewpoint."

Mr. Jinnah, who followed Pandit Nehru, said the League's final decision could only be taken by the League Council on June 9, but so far as he could gather, "on the whole, the reaction in League circles in Delhi has been hopeful."

Sardar Baldev Singh, who also spoke, commended the plan as the best under the circumstances.

Pandit Nehru in his broadcast said: "Nearly nine months ago, soon after my assumption of office, I spoke to you from this place. I told you then that we were on the march and the goal had still to be reached. There

meet my people and to learn about their troubles at first hand.

"Today I am speaking to you on another historic occasion when a vital change affecting the future of India is proposed. You have just heard an announcement on behalf of the British Government. This announcement lays down a procedure for self-determination in certain areas of India. It envisages on the

जून 1947: अखबार में विभाजन की घोषणा

जखन विभाजनक कारण बहुत अधिक संख्यामे विस्थापनक सम्बन्धमे पूछल गेलनि तँ माउण्टबेटन एहन उत्तर देलनि जे इतिहास फिरीशान होइत रहत- “व्यक्तिगत रुपसँ हम एकरा (लोककेँ बाहर जायब) नहि देखैत छी...किछु सीमा धरि स्थानान्तरण स्वाभाविक तरीकासँ होएत...लोक अपनहि स्थानान्तरित भऽ जयताह।

-द ट्रिब्यून, जून 5, 1947

सत्यमेव जयते

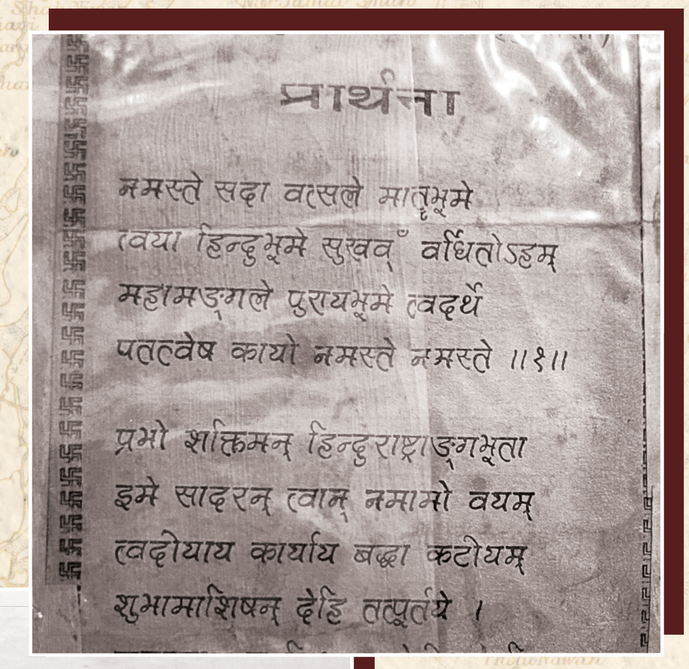
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

डेरावाल: हिंदुओं की यात्रा

पाछू घूमिकऽ देखलापर, ई कथन बहुत बेसी सीधा-सादा लगैत अछि- जँ जानिबूझिकऽ अस्पष्ट नहि। ओ “कनेक सन पलायन” शीघ्रहि आधुनिक दुनियाँक आइधरिक सबसँ पैघ आ सबसँ खूनी सामूहिक विस्थापनमे सँ एकमे बदलि गेल। 1.3 करोड़सँ बेसी लोक अपन जमीन, अपन घर आ अपन अतीतसँ उजड़ि गेल।एहिमे डेरावालहु सम्मिलित छल, जे 1947मे भारतक विभाजनक समय सिन्धुघाटीक लग बसल डेरा इस्माइल खानसँ विस्थापित एक हिन्दू समुदाय छल।









ई प्रदर्शनी हुनकर अनकथ, अनसुनल पिहानीकेँ जीवंत करैत अछि। प्रदर्शित प्रत्येक छायाचित्र, प्रत्येक वस्तु, प्रत्येक ताग डेरावाल हिन्दूक जीवन्त स्मृतिकेँ समेटने अछि। निजी वस्तु, विरासत आ प्रतिदिनक वस्तुक माध्यमसँ, ई देखबैत अछि कि कोना स्मृति, आस्था आ जीवित रहबाक इच्छाशक्ति ओहि समय सेहो बनल रहल जखन भविष्य अनिश्चित आ धोन्हिमे डूबल लागि रहल छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

अनिश्चित समय में शरण की तलाश









कतोक डेरावालक लेल, विभाजन केवल कैलेंडरक एक तिथि नहि छल- ई ओ क्षण छल जखन हुनकासबकेँ अपन सब किछु पाछू छोड़य पड़लनि।परिवारसब अपन घर आ टोल-पड़ोस एहि आशामे छोड़लनि जे ओसब किछु मासमे घुरि औताह।डेरा इस्माइल खानक शरणार्थी स्टीमरसँ सिन्धु नदी पार करैत छलाह अथवा दरिया खानसँ लाहौर धरि ट्रेन पकड़ैत छलाह आ ओतएसँ ओ रितसर, जैसलमेर आ जयपुर सन शहरक दिस बढ़ैत छलाह।बादक वर्षमे, जेना-जेना भारत सरकार जमीन,घर आ दोकान आवंटित करब शुरु कयलक, ई परिवारसब देशक विभिन्न भागमे अपन जीवन फेरसँ बसायब शुरु कऽ देलनि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

विभाजन और महिलाओं का मौन संघर्ष







ई छायाचित्रसब 1947 केर अवधिक विभाजनक ओहि परिवारसँ सम्बन्धित अछि जकरा डेरा इस्माइल खानसँ विस्थापित भेलाक बाद जयपुरमे एक नव घर भेटल छल।एहिमे हीरानन्द भाटियाक बहिन मुन्नी देवी सेहो सम्मिलित छलीह।मुन्नी देवी नेनपनहिमे विधवा भऽ गेल छलीह आ जखन ओ ई दीर्घ यात्रा तय कयलनि तखन ओ 37 बरखक छलीह। 1985मे अपन निधन धरि ओ अपना भायक संग जयपुरमे रहलीह।

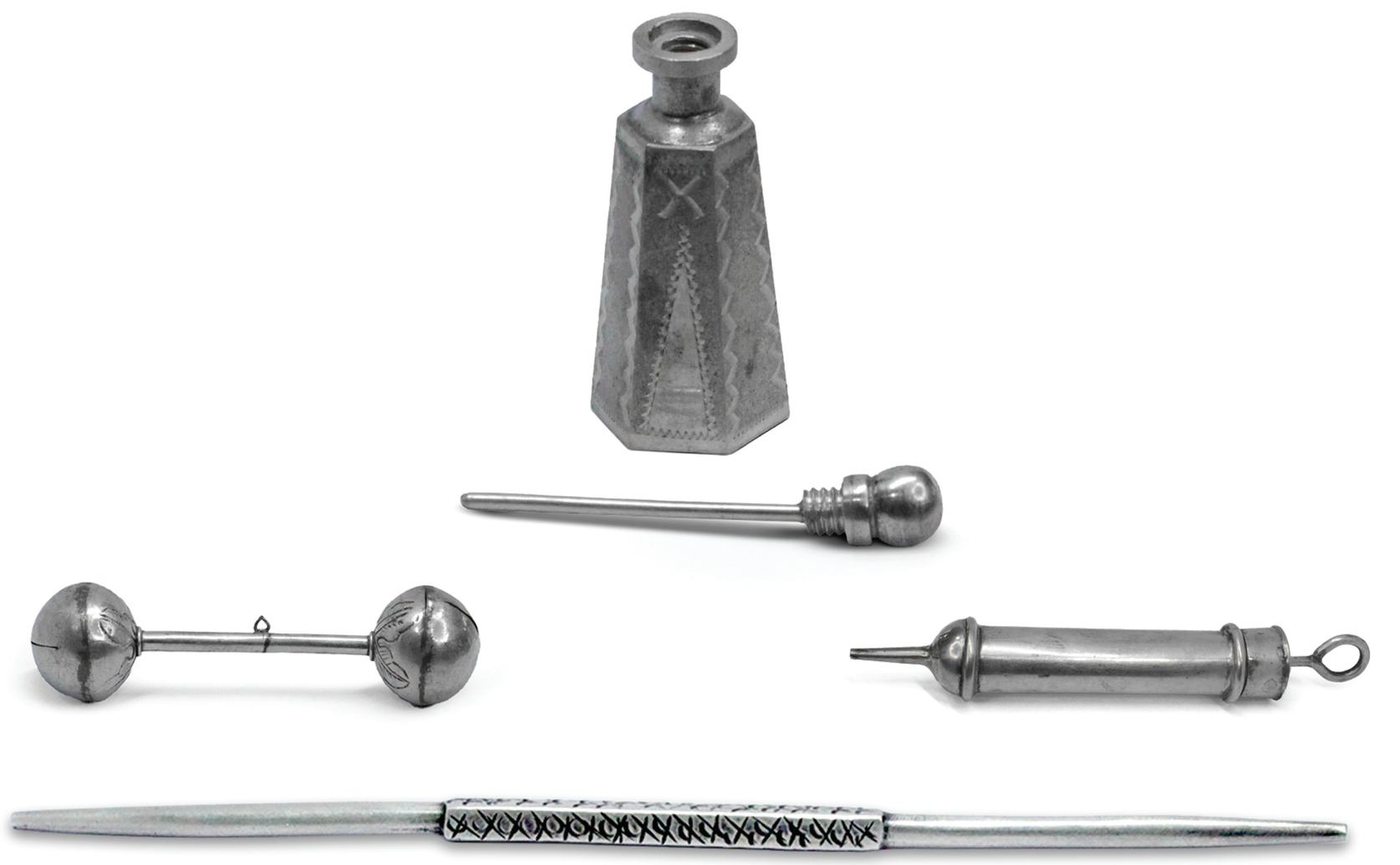
विभाजन लाखो लोककेँ गृहविहीन कऽ देलक, मुदा महिलासभक लेल ई त्रासदी आर बेसी ज्यादा कष्टप्रद छल।हुनकर सामाजिक स्थिति हुनका संघर्षकेँ आर जटिल बना देलक- आ कतोक लोकक लेल ओ क्रूर स्मृति आइयो गम्भीर घाओ जकाँ हुनका स्मृतिपटल पर अंकित अछि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

चांदी और सोना:
स्मृति एवं जीवनरेखा के रुप में आभूषण



विभाजनक अवधिमे, चानी आ सोनासँ बनल व्यक्तिगत वस्तुसब जेना काजर,माँग-टीका आ अन्य आभूषण चल सम्पत्तिक रुपमे काजमे लेल गेल।

एहि वस्तुसबकेँ लऽ गेलासँ परिवारसबकेँ भारी अनिश्चितता आ विस्थापनक समयमे वित्तीय सहायता भेटल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

चांदी और सोना: स्मृति एवं जीवनरेखा के रूप में आभूषण





एहि चित्रमे काढ़ल गेल चानीक अयना आ डरकस देखाओल गेल अछि, जे जयपुरक डेरावाल परिवारक विरासत अछि।

डरकस 19म शतीक एक आना मुद्रासँ सुसज्जित अछि, जाहिपर ब्रिटेनक महारानीक नाम अंकित अछि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

चांदी और सोना:
स्मृति एवं जीवनरेखा के रूप में आभूषण





सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

छूटी मातृभूमि, पर साथ चली भाषा एवं विरासत









श्रीमती टुटेजा लग भगवद्गीताक एक पुरान उर्दू संस्करण अछि। जे विभाजनक अवधिमे हुनका पिता द्वारा डेरा इस्माइल खानसँ आनल गेल बहुमूल्य पारिवारिक विरासत अछि। डेरा इस्माइल खानमे, धर्मनिष्ठ डेरावाल समुदाय स्थानीय भाषाई परम्पराक संग आध्यात्मिक साधनाक मिश्रण करैत, उर्दूमे गीताक पाठ करैत छथि।
कहियो दैनिक पूजाक लेल पवित्र ग्रंथक रूपमे प्रचलित ई ग्रंथ आइ स्मृतिक साधनक रूपमे जीवित अछि।

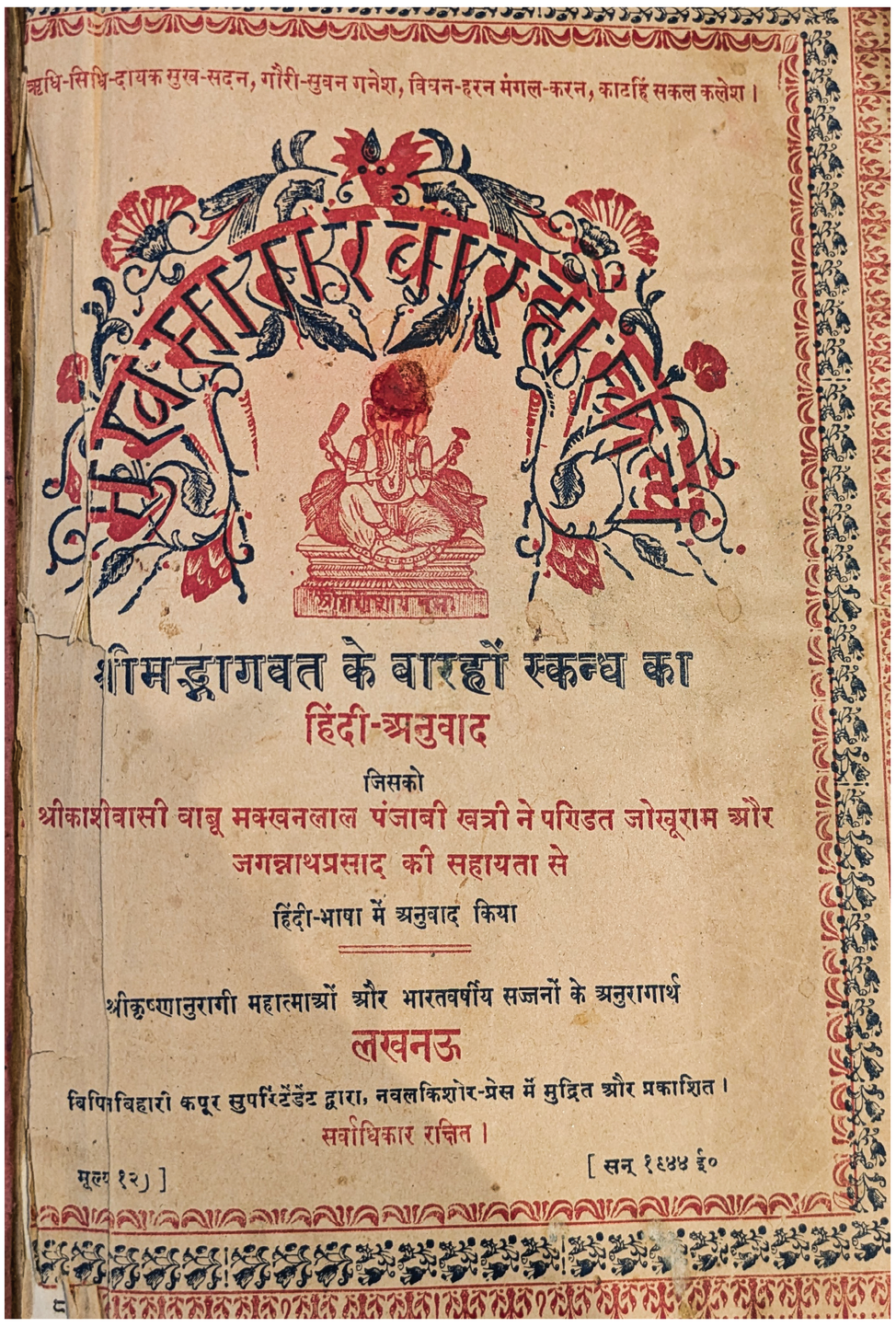
सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

सीमाओं के पार आस्था





भागवत पुराणक ई 1944 केर हिन्दी संस्करण लखनउमे प्रकाशित भेल छल आ डेरा इस्माइल खानमे एक टा कनियाँकेँ ओकरा विवाहक समय उपहारमे देल गेल छल।

विभाजनक बाद, ई पोथी परिवारक संग जयपुर पहुँचल आ कतोक बरख धरि हुनकर दैनिक प्रार्थनाक हिस्सा बनल रहल। अपन धार्मिक परम्पराकेँ बचा रखबाक

लेल दृढ़ संकल्पित परिवार डेरा इस्माइल खान छोड़लाक बाद एकरा अपन संग लऽ अनलनि। घरक महिला प्रमुख प्रत्येक दिन एकर पाठ करैत छलीह।हुनकर मृत्युक बाद, ई पवित्र ग्रंथ हुनकर पोतीकेँ सौंपि देल गेल, जे आइयो एक जीवन्त सूत्रक रूपमे एकरा संजोगने छथि जे हुनका अपन पैतृक भूमि, आस्था आ पीढ़ीक स्मृतिसँ जोड़ैत अछि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

सिंधु नदी के किनारे रामलीला





बाम भागमे ई पुरान फोटो डेरा इस्माइल खानक दुर्गापूजाक उत्सवमे बच्चासबकेँ राम आ लक्ष्मणक भेष-भूषामे देखबैत अछि। डेरावाल हिन्दू समुदायक लेल दुर्गापूजा आ बैसाखी सबसँ पैघ पर्वमे सँ छल। दुर्गापूजा 9 दिन धरि रामलीला खेलक संग मनाओल जाइत छल, जे सिन्धु नदीक तटपर रावणक भव्य मूर्ति-दहनक संग समाप्त होइत छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

सीमाओं के ज़ख्म और रेडक्लिफ की कलम



सर सिरिल रेडक्लिफ़ (बीच में बैठे हुए), एक प्रतिष्ठित ब्रिटिश बैरिस्टर, जिनको भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाएं तय करने का ज़िम्मा दिया गया

हुनका विश्वास छल जे जँ विभाजनक बाद बनल नव देश जयताह तँ हुनका दुनू दिसक लोक मारि देत। ई ओहि व्यक्तिक सम्बन्धमे अछि जनिका विभाजनक कार्यकेँ पूर्ण करबाक भार देल गेल छलनि- सर सिरिल रैडक्लिफ। रेडक्लिफ, जे भारतमे पहिने कहियो पयर नहि रखने छलाह, कैँ भारत आ पाकिस्तानक बीच सीमा रेखा घिचबाक लेल केवल चालिस दिन देल गेल छलनि।ओ कहियो गाम नहि गेलाह, कहियो नदी आ वनक अध्ययन नहि कयलनि, कहियो उद्योग आ कृषिक बीचक सम्बन्ध नहि बुझलनि- आ तइयो ओ रेखा घीचि देलनि।बंगालमे विभाजन आर्थिक तार्किकक बदला धार्मिक आधारपर कयल गेल। मुदा ई पंजाब छल जे रैडक्लिफक चौहद्दीक सबसँ अधलाह परिणाम भोगलक।रातिये-राति बहुत अधिक संख्यामे हिन्दू, मुस्लिम आ सिख अल्पसंख्यक भऽ गेल- जे भयाओन दंगा. सामूहिक विस्थापन, आ बहुत विस्तृत हत्याक कारण बनल।सीमा घीचल जाय रहल छल, मुदा स्थानान्तरणक लेल कोनो योजना नहि छल जकर पालन कयल जाइत। रैडक्लिफ कहियो भारत घुरिकऽ नहि अयलाह।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

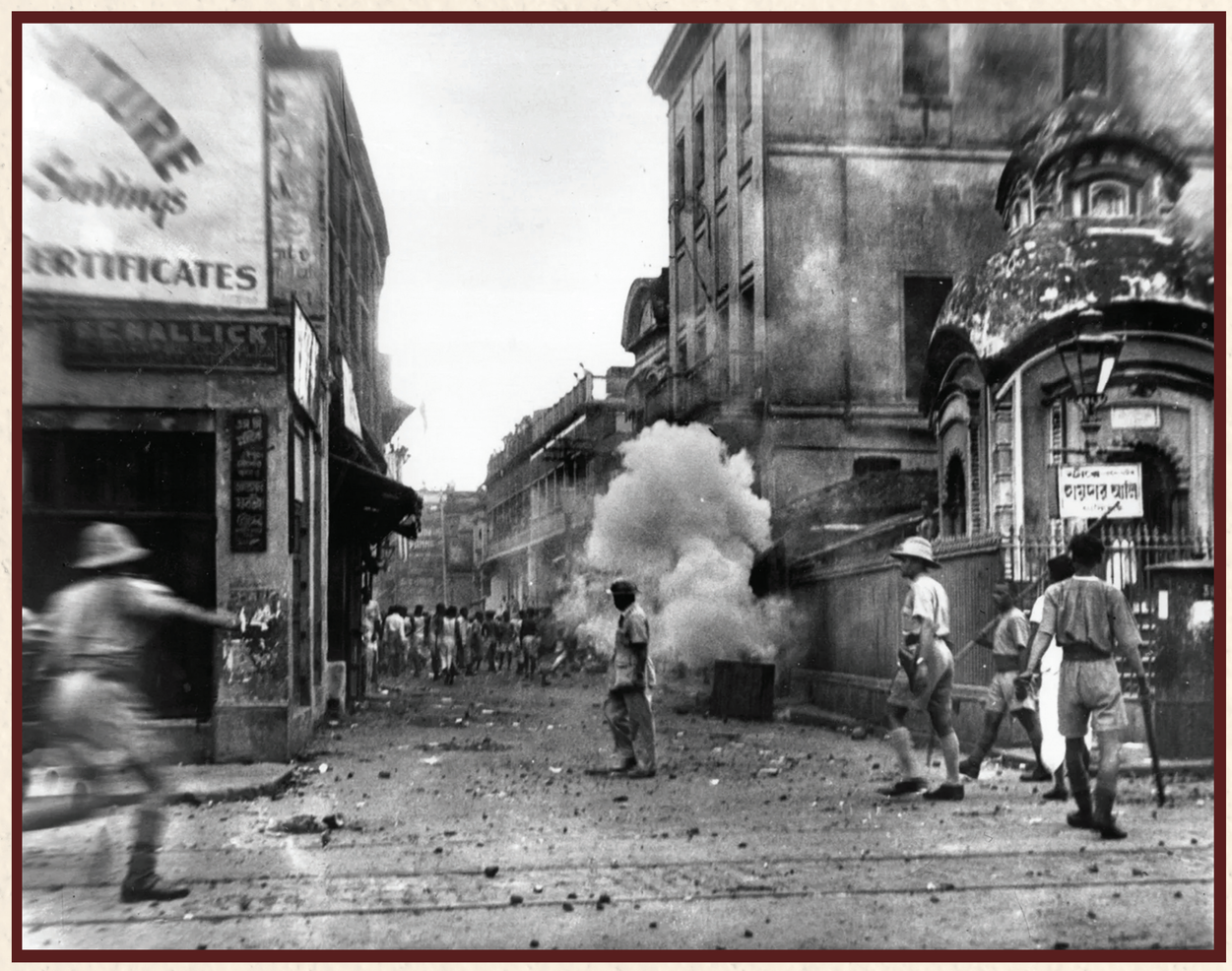
विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

टुकड़ों में बंटता देश


SUNDAY, Hindusthan Standard AUGUST 25, 1946.

DEVIL'S DANCE IN CALCUTTA





रैडक्लिफ जे रेखा घिचलक ओ पंजाब आ बंगालकेँ बहुत प्रभावित कयलक।बंगाल तँ ओहिना साम्प्रदायिक आगिमे जरि रहल छल।

1946 कलकत्ता दंगा सम्पूर्ण भारतमे साम्प्रदायिक तनावक आधार देलक।समुदाय जे एहि उपमहादेशमे शतकहुसँ सहअस्तित्वक भावनासँ रहैत छल आब अलग-अलग ठाढ़ छल।ई सब ब्रिटिशक नीतिक भाग छल,"बाँटू आ राज करू", जतए ओ सत्तापर मजगूत पकड़क लेल सांस्कृतिक आ धार्मिक भेदकेँ उकसबैत छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

अकाल और आग : सुहरावर्दी का बंगाल



एच. एस. सुहरावर्दी (आगे की पंक्ति में बाएं से पहले)

1946 मे कलकत्तामे भेल साम्प्रदायिक दंगामे स्थानीय आ क्षेत्रीय नेतासब आगि भड़कयबामे अहम भूमिका निभएने छल।बंगालक मुस्लिम लीगक मुख्यमंत्री एच.एस.सुहरावर्दीकेँ सबसँ बेसी उत्तरदायी मानल जाइत अछि। हुनकापर कलकातामे भड़काउ भाषण दए राज्यक हिन्दू नागरिकक विरुद्ध भीड़केँ भड़कएबाक आरोप छल।सुहरावर्दीक विचारधारा छल जे एक बेरि सत्तामे अयलाक बाद ,चाहे कतबहु मूल्य चुकबय पड़य, ओकरा कखनहु नहि छोड़बाक चाही।सत्तामे अपन स्थिति मजगूत करबाक लेल, ओ कथित रूपसँ सार्वजनिक धनक उपयोग गुण्डासभक एक निजी सेना बनबैमे कयलनि, जे हिंसाक माध्यमसँ अपन विरोधीकेँ चुप करबैत छल।

1942 केर बंगाल अकालक समय, जे क्षेत्रकेँ विनष्ट कय देने छल, सुहरावर्दीपर भूखसँ मरि रहल जनतासँ अन्न जमा करब आ कालाबाजारीमे बेचबाक लेहो आरोप लागल छल, जकरा माध्यमसँ ओ करोड़ो रुपैया जमा कयने छलाह।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

विभाजन से पहले कोलकाता का सबसे काला दौर



16 अगस्त 1946 कैं मुस्लिम लीग “प्रत्यक्ष कार्रवाइ दिवस”क घोषणा कयलक। एकर उद्देश्य अंग्रेज आ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेसकैं ई स्पष्ट संदेश देबाक छल जे जँ आवश्यक हो,तँ भारतीय मुसलमान प्रत्यक्ष कार्रवाइक माध्यमसँ पाकिस्तान प्राप्त करबाक लेल तैयार अछि। कलकत्तामे एकर आयोजन करयवला व्यक्ति सुहरावर्दी छलाह।

हुनका शब्दसँ उत्तेजित भए, उन्मादी भीड़ 16 अगस्तक भोर लाठी, लोहाक छड़, कोदारि आ अस्थायी अस्त्रसँ सुसज्जित भए धार्मिक नारा लगबैत कलकत्ताक सड़कपर उतरि आयल।हिन्दूपर निर्दयतासँ आक्रमण कयल गेल आ ओकर शवसबकैं शहर भरिमे खुजल नालामे फेक देल गेल। वातावरण एतेक भयावह छल जे भयसँ स्तब्ध पुलिस हिंसाक समय सड़कसँ लगभग निपत्ता भS गेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

जिस दिन एक राज्य बिखर गया

MONDAY STATESMAN, AUGUST 19, 1946.

The Statesman.

(With which the FRIEND OF INDIA is Incorporated.)

PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM CALCUTTA AND DELHI.

VOL. II. No. 22806 REG. No. C193 CALCUTTA, MONDAY, AUGUST 19, 1946. TWO ANNAS.

OVER 270 KILLED, 1,600 INJURED IN TWO DAYS

"GILDA" with GLENN FORD George MACREADY ... Joseph CALLEIA

Air-Conditioned Th...

CABLES: GREASTERN PHONE: CALCUTTA 242, ETC.

EKCO —The Flawless RADIO— A.C./D.C.—5-valve—All-wave

POWER PLANT VB RT BROTHERS

QUALITY There is TRUTH in our Quality MEANING THAT THE FURNITURE IS EXACTLY AS IT SHOULD BE MODERN FURNISHERS 38, PARK MANSIONS - PARK ST., CALCUTTA.

LIGHT with Richard CRANE—Mary Roy ROBERT & John

PURNA THE HOUSE TH... DAILY AT 3.

OUR OWN ASSETS & SE...

NATUN BA...

SUNDAY & MONDA... LAUREL & HARDY

BIG NO...

DINE at PRINC...

For taste and disc... PETER SART... Presents

A CHANGE OF PR... with

THE COWBOY AND ... A HUMOROUS E... (NIGHT LIFE IN A... with

Lalo & Musette, T... Lilian & Peter Sa... Bingel, Tan Moe... Tan Moe & Hi...

Admission Rs... From 8 P.M. to...

Riots

t

ROCKET BURSTS OVER SWEDISH TOWN

STOCKHOLM, Aug 16.—Window panes were broken in Malmo when a rocket projectile exploded over that town today. The authorities are searching for fragments of the projectile which was reported to have been seen falling to the ground.—Reuter.

SOEKARNO TO GIVE UP "DICTATORSHIP"

REQUEST TO SHARIAR TO FORM CABINET

BATAVIA, Aug 16.—The Indonesian President, Dr Soekarno, is expected in Indonesian Republican circles to give up his "dictatorial" powers to a new Cabinet which he has asked Dr Shariar, former Premier, to form, the Netherlands News Agency said today. Dr Soekarno assumed full powers fully after Dr Shariar and other Ministers had been kidnapped M.A. in ... Ministers had been kidnapped

GREEK PEL... MONARCHY

...AND U.S.A. NOT ...ND OBSERVERS

It was learned ... was informing the Turkish ... The U.S. Note is understood to contain four principal points:— ... tain four principal points:— agree to ... the USA ... for joint Soviet-

from America ... all within his power ... still further grain shipments ... tween now and the end of September. SIR G. S. Bajpai told Reuter after- ... The Secretary was ... promised to ... more

... conditions, the extent of ... ter appreciated, but even ... of the menacing



The yacht Grille, presented to Hitler by the German nation and now in British possession, is to be sold by the Admiralty. It was from the yacht, now lying at West Hartlepool, that Adm Doenitz announced Hitler's death.

Latest Treaty Proposals

CALCUTTA DEATH ROLL 200, WITH 1,500 INJURED

Crowds Fired on Today: Planes over Riot City

ARSON and death have swept Calcutta and today, second in the Moslem campaign of 'direct action,' the jittery city heard New Delhi Radio report that so far at least 200 persons have been killed and 1,500 injured. The city fire brigades have had more than 40 calls to outbreaks.

In the city's hospitals, choked with victims, surgeons and nurses worked all night at the task of catching up with the arrears of injured, some of them desperately hurt, who were brought in cars or on the shoulders of their friends.

Today the bodies of people killed with knives, sticks and other weapons were still being collected from some streets.

Normal city life was practical at a standstill, and there were no milk or newspaper deliveries today

A strong force of police, who yesterday used tear gas on the crowds, opened fire on several occasions again today to disperse crowds. R...

ing lathis — bamboo staves. The city was without public transport, both tram and bus services having stopped.

The British independence plan for India does not concede the Moslem League demand for Pakistan—a separate Moslem state.

Pandit Nehru, Congress Party president, met the Viceroy, Lord Wavell, today.

Jinnah Condemns

Pandit Nehru said today, "Our programme for forming



"Hello twins!" two young holidaymakers enjoying yesterday's fine weather.

Britain to End Leopard Men Killings

Lagos, Nigeria, Saturday.—Britain is making a big drive to stamp out the "leopard men", an African secret society that specialises in killing in the manner of leopards.

The "leopard men" generally will kill anybody for 100 manillas (8s 4d and a goat for sacrifice before the deed is committed.

Part of the equipment of the "leopard man" is a carved wooden snake which is placed in the victim's path in the lonely bush to bring him to a halt.

The victim is then skewered through the neck and scratched with a pronged instrument used to imitate the claws of a leopard.—Reuter.

Food Minister Says—

Bread Saving Came at Right Time

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

ख़ून से सना एक शहर

Riot Ultimatum: "Join Islam Or Burn"

CALCUTTA, Oct. 20. A.A.P.— Principal motives behind the lawlessness in the Noakhali district of eastern Bengal were mass conversions to the Islamic faith and the abduction of women, according to a staff correspondent of the conservative newspaper "The Statesman."

"All villages in this area have accepted Islam," said a Hindu correspondent in Noakhali, in a letter released by the Bengal Press Advisory Committee. "A huge mob gave us the ultimatum to join Islam or be burnt."

Villages had been attacked, houses burned, and some women carried off, according to evacuees who have arrived in Calcutta from the Noakhali area. About 1000 more evacuees have arrived.

"The Statesman" says about 150,000 persons and 400 villages are affected by the mob violence. It quotes a staff correspondent as saying that 10,000 persons had left the interior and were sheltering at Chandpur.

A correspondent of the Moslem "Morning News" reports that stories of mass conversion and the abduction of women were entirely untrue and were only intended to excite communal passions and oust Bengal's Moslem League Ministry.

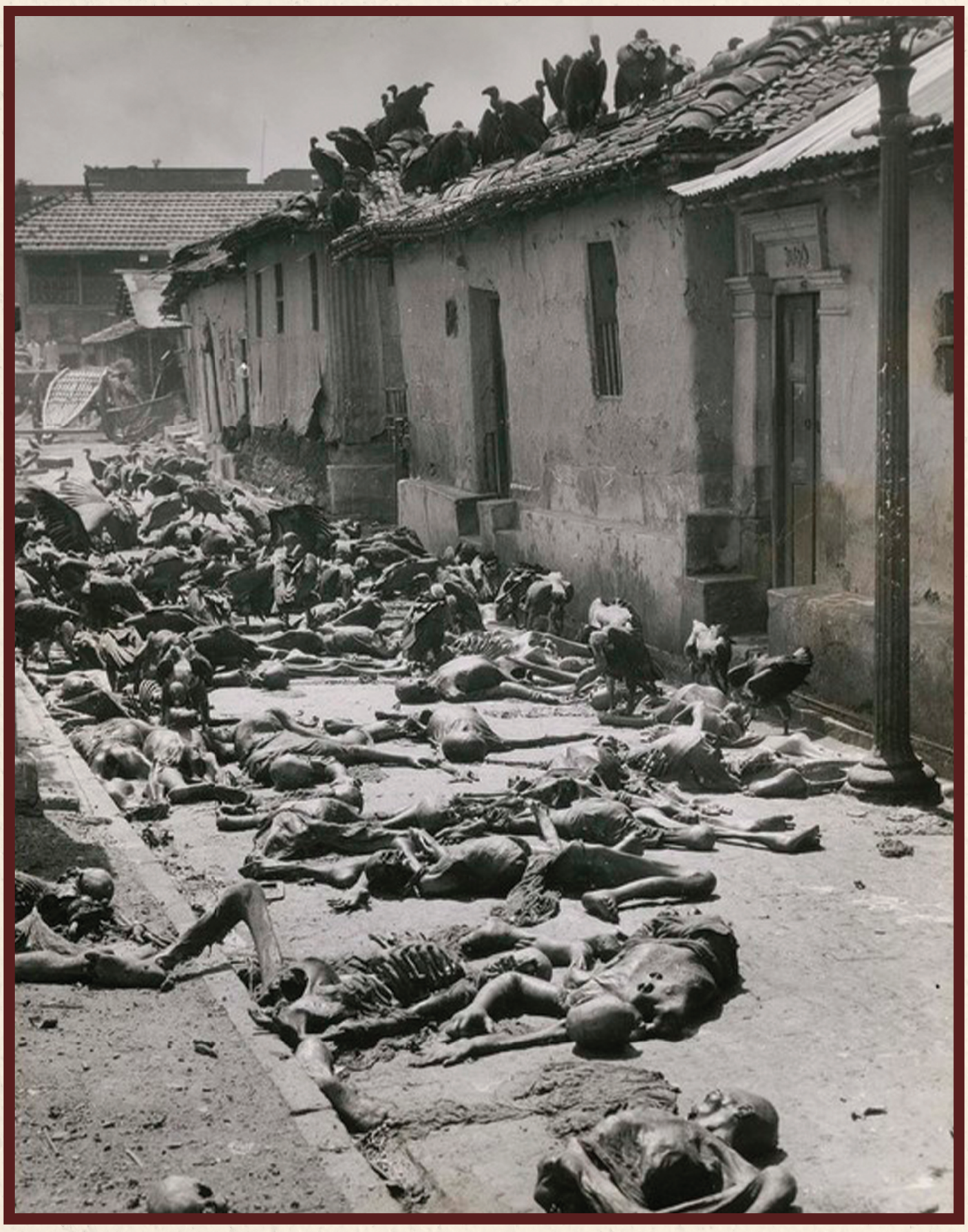
IN BRIEF

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

दो मानवीय त्रासदियों का गवाह



सन 1946मे, कलकत्तामे धार्मिक नरसंहारक पहिल लहरि उठल।हिंसामे लगभग 5,000 लोक मारल गेल।

अमेरिकी फोटो-पत्रकार मार्गरिट बार्क-व्हाइट, जे एक बरख पहिने नाजी यातना शिविर केर गेट खुलल देखने छलाह, कलकत्ता केर सड़कसब देखलाक बाद लिखलनि-ई स्थान बूखेनवॉल्ड जकाँ लगैत अछि।“ बूखेनवॉल्ड जर्मनीक सबसँ पैघ आ कुख्यात नाजी यातना शिविरमे सँ एक छल।

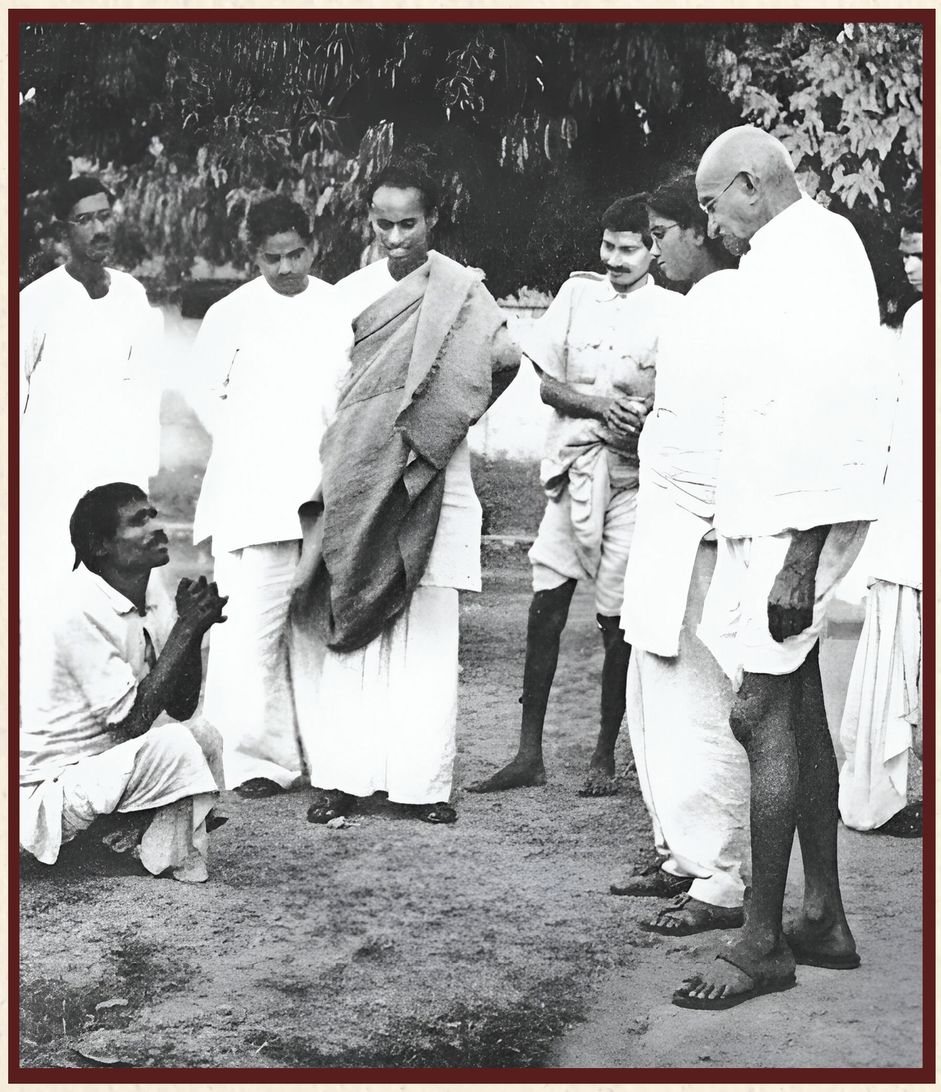
सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

नोआखली नरसंहार और महात्मा गांधी का मार्च





कलकत्तामे हिन्दूसभक विरुद्ध जे साम्प्रदायिक आगि भड़काओल गेल,से शीघ्रहि बंगालक आर भाग सबमे पसरि गेल। “ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स” केर मात्र किछु मासपर, नोआखालीमे सेहो हिंसा फूटि पड़ल।

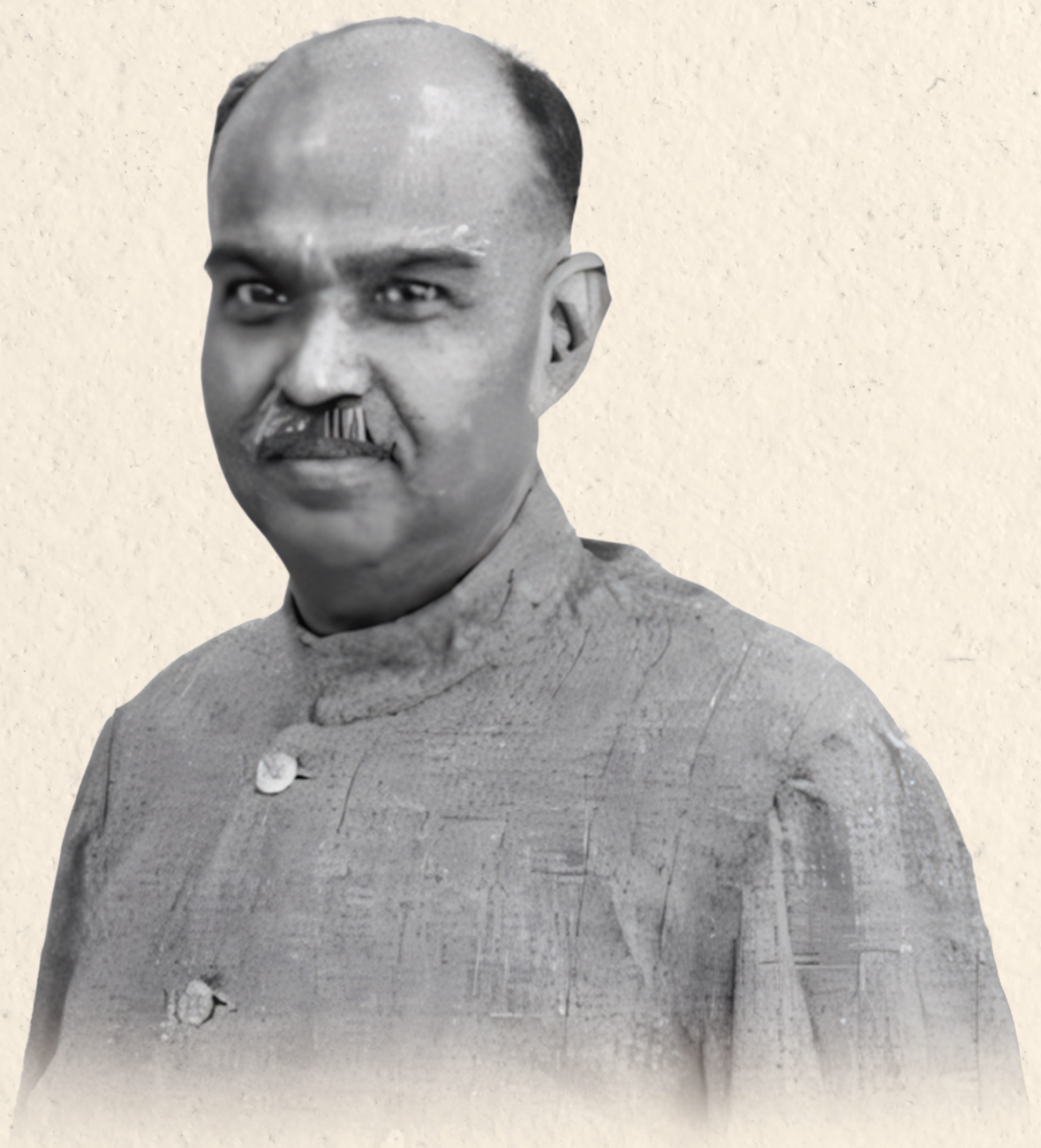
एहि क्रूरतासँ महात्मा गाँधी बहुत विचलित भेलाह। ओ तत्क्षण पूर्वी बंगालक यात्रा कयलनि, आ लगभग चारि मास धरि खाली पयरे एक गामसँ दोसर गाम चलि, अहिंसा आ साम्प्रदायिक सौहार्द्र केर संदेश प्रसार कयलनि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी : दंगे, अकाल और राजनैतिक संकट के बीच एक दृढ़ नेतृत्व



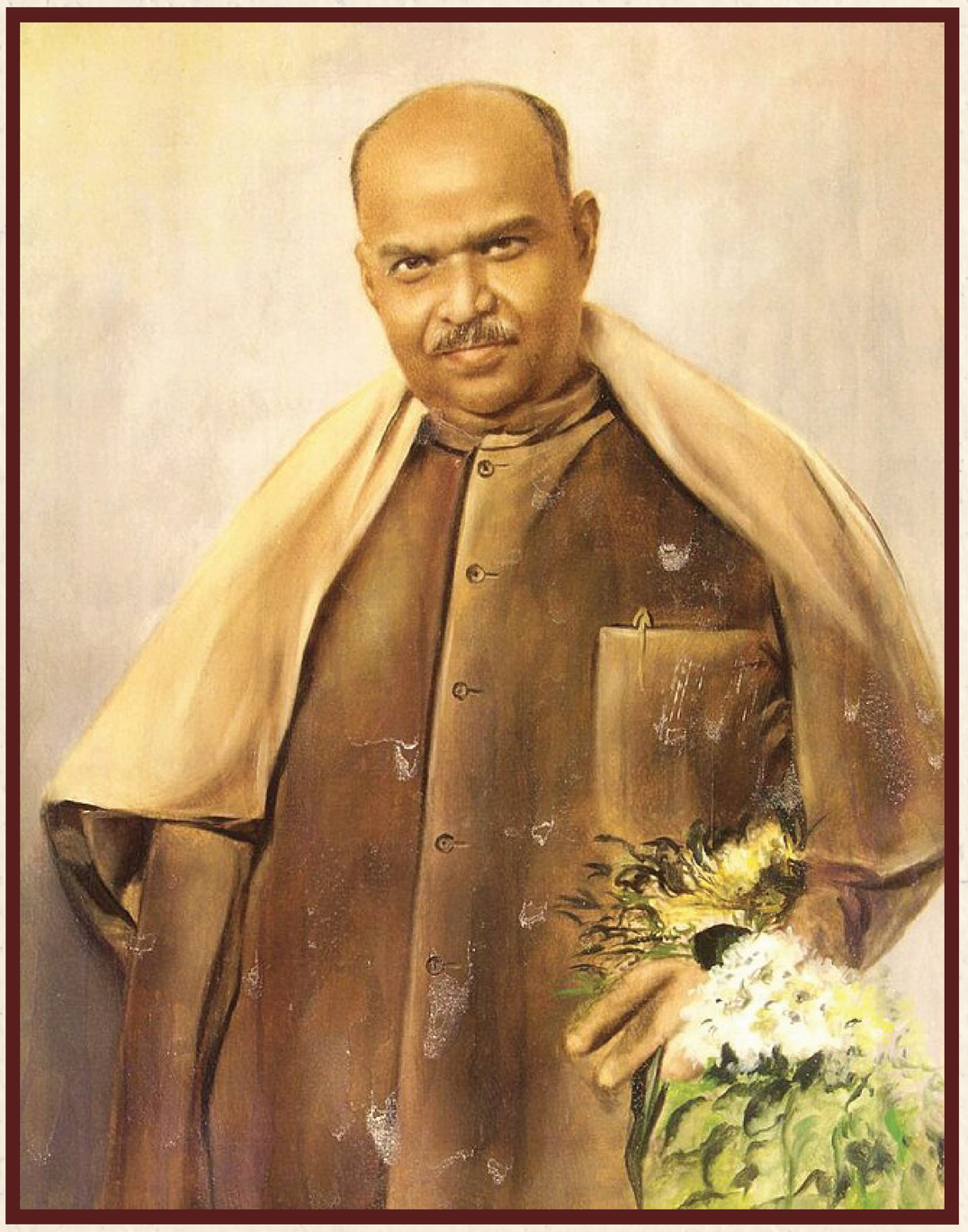
जखन हम सब साम्प्रदायिक हिंसाक आगि मिझाबय लेल कयल गेल प्रयासक चर्चा करैत छी, तँ नोआखालीक घटना इतिहासक पुस्तकसबमे सबसँ बेसी स्थान पबैत छी।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

भारत की राजनैतिक चेतना के शिल्पकार



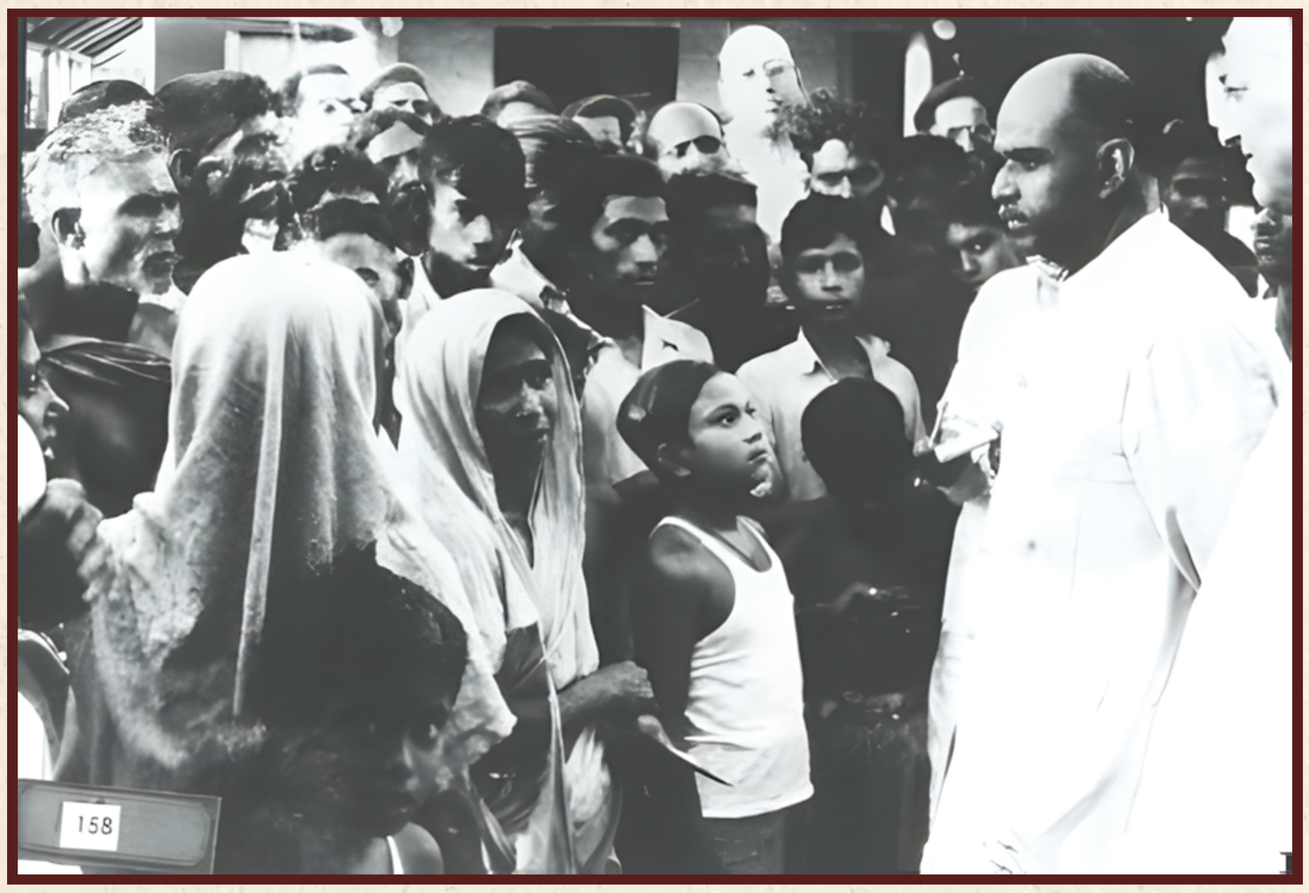
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक टा ओकिल, शिक्षाविद आ राजनीतिक नेता छलाह।स्वतंत्र भारतक प्रथम सरकारमे ओ कैबिनेट मंत्रीक रूपमे काज कयलनि।
- कलकत्तामे, 1901मे ओ विश्वविद्यालयक सबसँ नवजवान कुलपति बनलाह।
- जखन ओ कलकत्ता विश्विद्यालयक कुलपति भेलाह, तखन ओ मात्र तैंतीस बरखक छलाह।एहि ठाम ओ चारि बरख धरि विद्यामान रहलाह।
- 1939मे, ओ बंगालमे हिन्दू महासभामे सम्मिलित भेलाह।
- 1940मे, ओ हिन्दू महासभा केर अध्यक्ष निर्वाचित भेलाह।
- 1951मे, ओ भारतीय जनसंघक स्थापना कयलनि, जे बादमे आजुक भारतीय जनता पार्टीक रूपमे विकसित भेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

बंगाल का विभाजन और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका



बंगालक विभाजन आ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीक भूमिका

- ई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीक अथक प्रयासक परिणाम छल जे बंगालक एक भाग भारतक संग रहल।
- हिनकर योगदानक कारण पश्चिम बंगालक गठन भेल आ कलकत्ता भारतीय संघक अभिन्न अंगक रूपमे राजधानी बनल रहल।
- डॉ. मुखर्जी मजगूतीसँ एहि विचारक विरोध कयलनि जे पूरा बंगाल पाकिस्तानमे सम्मिलित कयल जाय, आ संगहि ओ बंगाली हिन्दूसभक लेल अलग प्रान्त बनयबाक पक्षमे अबाज उठौलनि।
- बंगालक विभाजनक पक्षमे हुनकर दृढ़, तर्कसंगत आ समयोचित पैरवी बहुसंख्यक लोककेँ हुनकर समर्थन करबाक लेल प्रेरित कयलक।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

पश्चिम बंगाल के निर्माता



जनमतकेँ संगठित कयलनि आ बौद्धिक समर्थन अर्जित कयलनि।

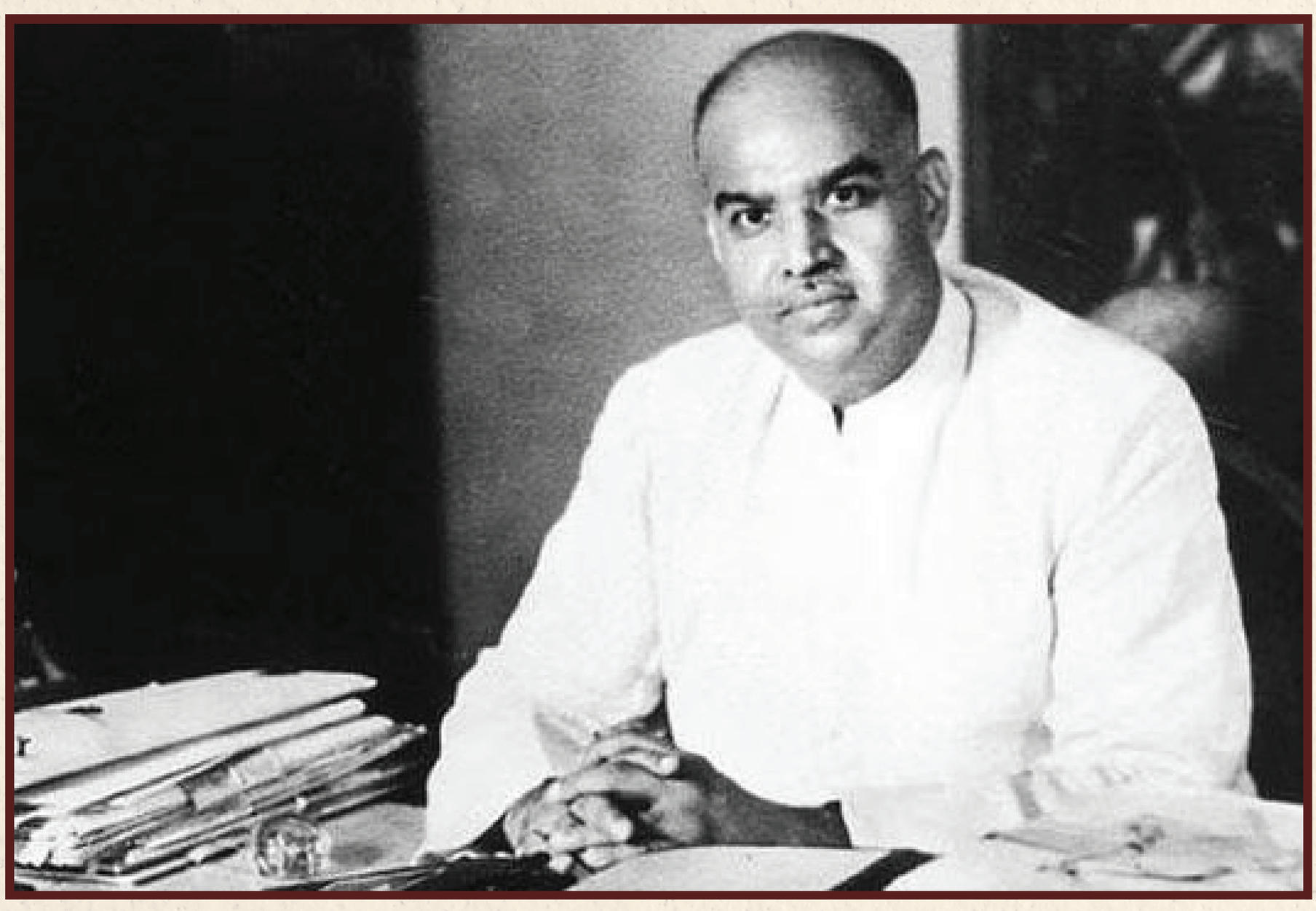
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी लॉर्ड माउण्टबेटनसँ भेंट कयलनि आ पश्चिम बंगालक निर्माणक पक्षमे जनमतकेँ संगठित कयलनि।एहि लेल ओ आरसी मजुमदार, जदुनाथ सरकार,राधा कुमुद मुखर्जी,मेघनाद साहा,पी.आर. ठाकुर आ जी.डी. बिड़ला सन प्रख्यात बुद्धिजीवीसबसँ परामर्श कयलनि, संगहि बंगाली समाजक विभिन्न वर्गसँ सेहो सहमति प्राप्त कयलनि।
- पश्चिम बंगालक निर्माण निःसंदेह डॉ. मुखर्जी केर महानतम उपलब्धि सबमे सँ एक छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

मुखर्जी का ऐतिहासिक पत्र: पश्चिम बंगाल की नींव



- 23 अप्रैल 1947कैं, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी लॉर्ड माउण्टबेटनसँ बंगालपर विस्तार पूर्वक चर्चा कयलनि।
- ओहि साल दू मइकेँ ओ माउण्टबेटनकेँ विस्तृत चिट्ठी सेहो लिखलनि।
- 20 जून 1947कैं पश्चिम बंगाल बनयबाक निर्णय सुनिश्चित भेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

डायरेक्ट एक्शन डे पर बंगाल में हो रही घटनाओं के दौरान राहत कार्यों में डॉ श्यामा प्रसाद का नेतृत्व



Amrita Bazar Patrika

78th YEAR OF PUBLICATION

CALCUTTA UNDER MOB RULE

JINNAH DECLINES NEHRU'S OFFER

Congress To Go Ahead With Formation Of Interim Govt.

India's Freedom In No Time

161 Persons Killed And Over 800 Injured

CURFEW PROCLAIMED

Orgy Of Looting, Rioting, Stabbing & Incendiarism

LEAGUE'S 'DIRECT ACTION' DAY SEQUEL

Calcutta was handed over to unchecked mob rule yesterday — 16th of August, the direct action day as announced by the Muslim League.

There was widespread looting, rioting, stabbing and incendiarism all over the city. The police were conspicuous by their absence from most of the places. Wherever they appeared after frantic calls for protection they hardly interfered with rioters.

Over 800 persons were removed to different hospitals of the city with injuries. The number of death upto 1-30 a.m. was given as 161. This does not give the correct figures of dead and injured for many persons dead or dying were found lying in the street unattended towards the nightfall.

Troops have been moved into the city and stationed in police headquarters. Curfew has been ordered in the city from 9 p.m. to 4 a.m. [Bengal Time]

Mr. H. S. Suhrawardy, Chief Minister of Bengal, interviewed by A. P. I. late last night said that the situation was improving.

No incidents were reported from anywhere else in India.

ALLIED DESIGN IN ITALY AND GREECE

Molotov's Charges Denied By Mr. Alexander

Vision Of Ideal State

Gandhiji's Reply To Questions

BANK STRIKE TODAY

Mass Meeting Postponed

BRITISH DESIGN IN INDIA

Denial By Foreign Office

CABINET MISSION IN INDIA.

- 16 अगस्त 1946 कैं मुस्लिम लीगक “डायरेक्ट एक्सन डे” चारि दिनक संगठित साम्प्रदायिक हिंसा फोलि देलक।
- एच.एस. सुहरावर्दीक नेतृत्वमे मुस्लिम लीग सरकार एहि अवधिमे छुट्टीक घोषणा कयलक, जकर लाभ उठाय भीड़ लूट, अगिजनी ओ हत्या करैत रहल, आ राज्य मौन रहल।
- ब्रिटिश अधिकारीसब एहि स्थितिकैं अनियंत्रित बर्बरता कहलनि।
- ई भय केर लहरि नोआखाली धरि पसरि गेल, जतए नरसंहार,बलात्कार आ बलजोरी धर्म परिवर्तन भेल।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जीक राहत प्रयासमे नेतृत्व

- सरकारी मिलीभगत ई विफलता रहितहु श्यामा प्रसाद मुखर्जी पाछू नहि हटलाह।
- हिनका द्वारा कतेको प्रयास कयल गेल।
- हिन्दू नेशनल गार्ड बनौलनि।
- राहत, बचाव आ सुरक्षा अभियान चलौलनि।
- दंगा-पीड़ित क्षेत्रमे व्यक्तिगत रूपैं गेलाह।
- नागरिकसभक लेल नागरिक रक्षाक आयोजन कयलनि।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

डायरेक्ट एक्शन डे’क विरुद्ध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीक ऐतिहासिक भाषण

20 सितम्बर 1946केँ बंगाल विधानसभामे, डॉ, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मुस्लिम लीगक सरकार, जे एच. एस. सुहरावर्दीक नेतृत्वमे छल, ओकरा विरुद्धमे अविश्वास प्रस्तावक समर्थनमे सशक्त भाषण देने छलाह।एहि भाषणमे ओ सोझे सुहरावर्दीकेँ 16 अगस्त1946 केर ‘ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स” लेल उत्तरदायी ठहरौलनि। ओ कहलनि :

“हम अहाँसबकेँ ई कहि दैत छी जे ई घटना भेल, ओ एकाएक विस्फोटक परिणाम नहि अछि, अपितु ई एक टा अक्षम, भ्रष्ट आ साम्प्रदायिक प्रशासनक परिणति अछि जे एहि महान प्रान्तक जीवनकेँ विद्रूप कय देलक अछि।मुदा जतेक तात्कालिक कारणक प्रश्न अछि, ओकरा बारेमे मुस्लिम लीग आ विपक्षक सदस्यसब उचित रूपसँ उल्लेख कयलनि जे हमरासबकेँ एहि प्रस्ताव दिस देखबाक चाही जे बम्बइमे, मुस्लिमे लीगक अखिल भारतीय परिषद सभाक अधिवेशनमे, पारित भेल।एखन ओतय की भेल? मुस्लिम लीगक दिससँ कहल गेल जे कैबिनेट मिशन मुसलमानक हितक प्रति धोखेबाजी कयलक आ ओहिसँ एहन स्थिति उत्पन्न भेल जे एहि देशक एंग्लो-मुस्लिम सम्बन्धक इतिहासमे बेजोड़ अछि। आखिर कैबिनेट मिशन की कयलक? मुस्लिम लीग जे पछिला तीस बरखसँ ब्रिटिश साम्राज्यवादक बिगड़ल आ दुलरुआ बच्चा रहल, पहिल बेर ब्रिटिश लेबर सरकार द्वारा अस्वीकार कयल गेल...(सरकारक बेंचसँ जोरगर हल्ला)...हम जनैत छी जे सदस्यलोकनि, जखन ओ कटु सत्य सुनैत छथि, तँ मुश्किलसँ अपन भावनाकेँ दाबि पबैत छथि।“

-(बंगाल विधानसभा, 20 सितम्बर 1946)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

१९४६

संविधान सभा में एक देशभक्त आवाज़



- विधानसभामे एक टा देशभक्तक स्वर
- बंगालसँ संविधानसभा लेल निर्वाचित
- बंगालक विनाश आ भयंकर कलकत्ता हत्याकाण्डक बाद डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी दिल्ली अयलाह, जतए ओ राष्ट्रीय नेता भऽ उभरलाह।
- बंगालसँ संविधानसभा लेल निर्वाचित भऽ, ओ पूर्व बंगालक हिन्दूसभक मुखर अबाज बनलाह आ संवैधानिक राष्ट्रवादक प्रबल समर्थक रहलाह।
- शुरूसँ ओ विभाजनक विरोधी, मजगूत आ संप्रभु केन्द्रक समर्थक आ कमजोर संघीय ढाँचाक खतरासँ चेतौनी देनिहार रहलाह।
- ओ धर्मक आधारपर विशेष अधिकारक विचारकेँ अस्वीकार कयलनि, समान नागरिकताक पक्षधर रहलाह आ पृथक निर्वाचक मण्डलीक विरोधी रहलाह।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

इतिहासक सबसँ विशाल विस्थापन- जखन सत्य रस्तापर आ बसमे छिड़िया गेल

महात्मा गाँधीसँ लऽ कऽ श्यामा प्रसाद मुखर्जी धरि असंख्य नेता अपन अथक प्रयास कयलनि, मुदा पलायन रुकि नहि सकल। ई तिहासक सबसँ पैघ मानव-निर्मित पलायन कहल गेल।मात्र एक बरखक भीतर लगभग डेढ़ करोड़ लोक ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा जल्दी-जल्दी घीचल सीमाक एहि पार-ओहि पार गेल। लाखहु लोक अपन पूर्वजक भूमि- अपन घर, अपन खेत, अपन जड़ि-छोड़िकए अनिश्चित भविष्य दिस बढ़ि गेल। पीढ़ी दर पीढी ईटासँ ईटा जोड़िकए बनल घरकेँ रातारातीे एक टा गेठरीमे समेटल गेल।सभक समक्ष बस एकहि टा प्रश्न छल : की लऽ जाइ, की छोड़ि देल जाय? टायर गाड़ीपर लादल जीवन, गेठरीमे बान्हल सपना, अधखुलल बोड़ासँ निकसति नूआ, परिवारक फोटो वा पुरखासँ भेटल बरतन-ई सब राजनीति द्वारा देल गेल आ लोक द्वारा भोगल गेल कष्टक खिस्सा कहैत छल।

सत्यमेव जयते

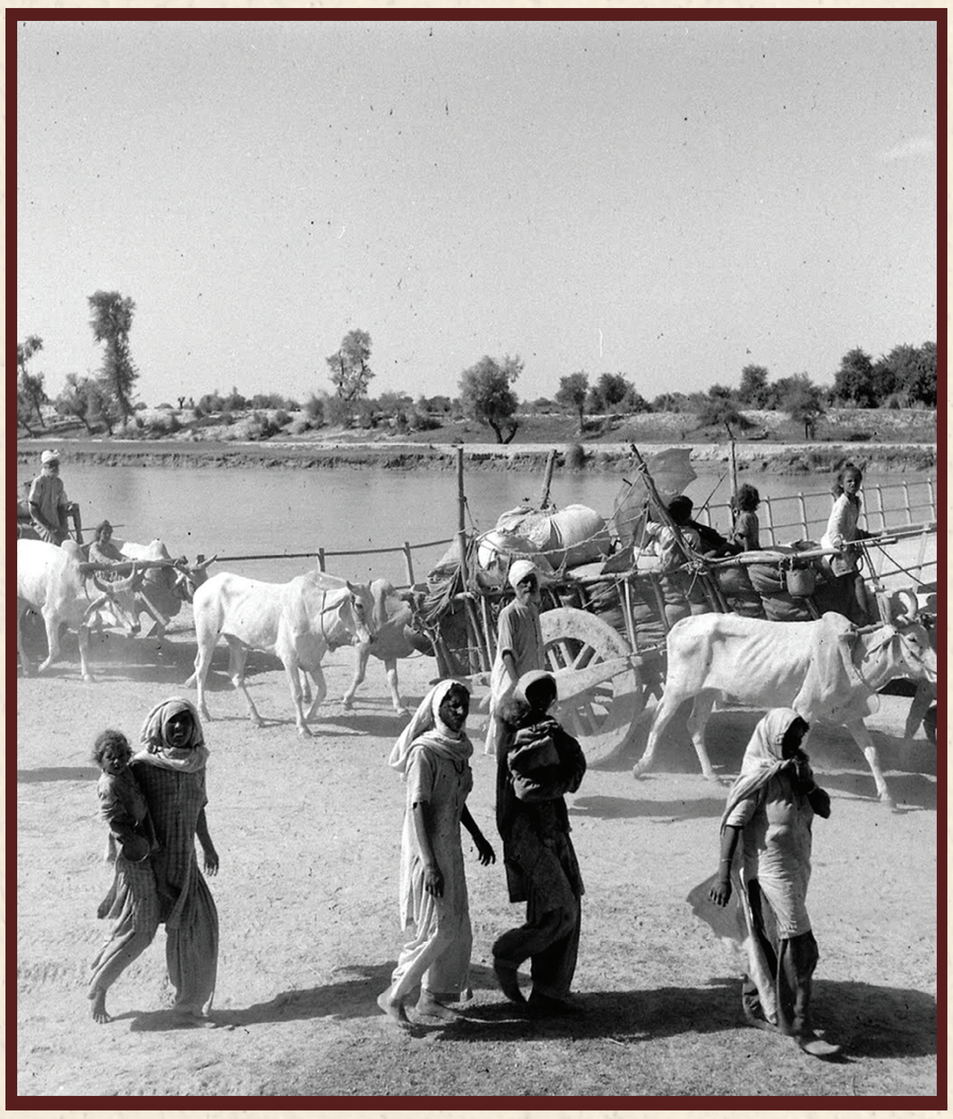
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

पीढ़ी दर पीढ़ीक पलायनक बाध्यता- अपन भार अपन कान्हपर उठौने









सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

स्मृतिक बोझ आ आशाक गेठरी

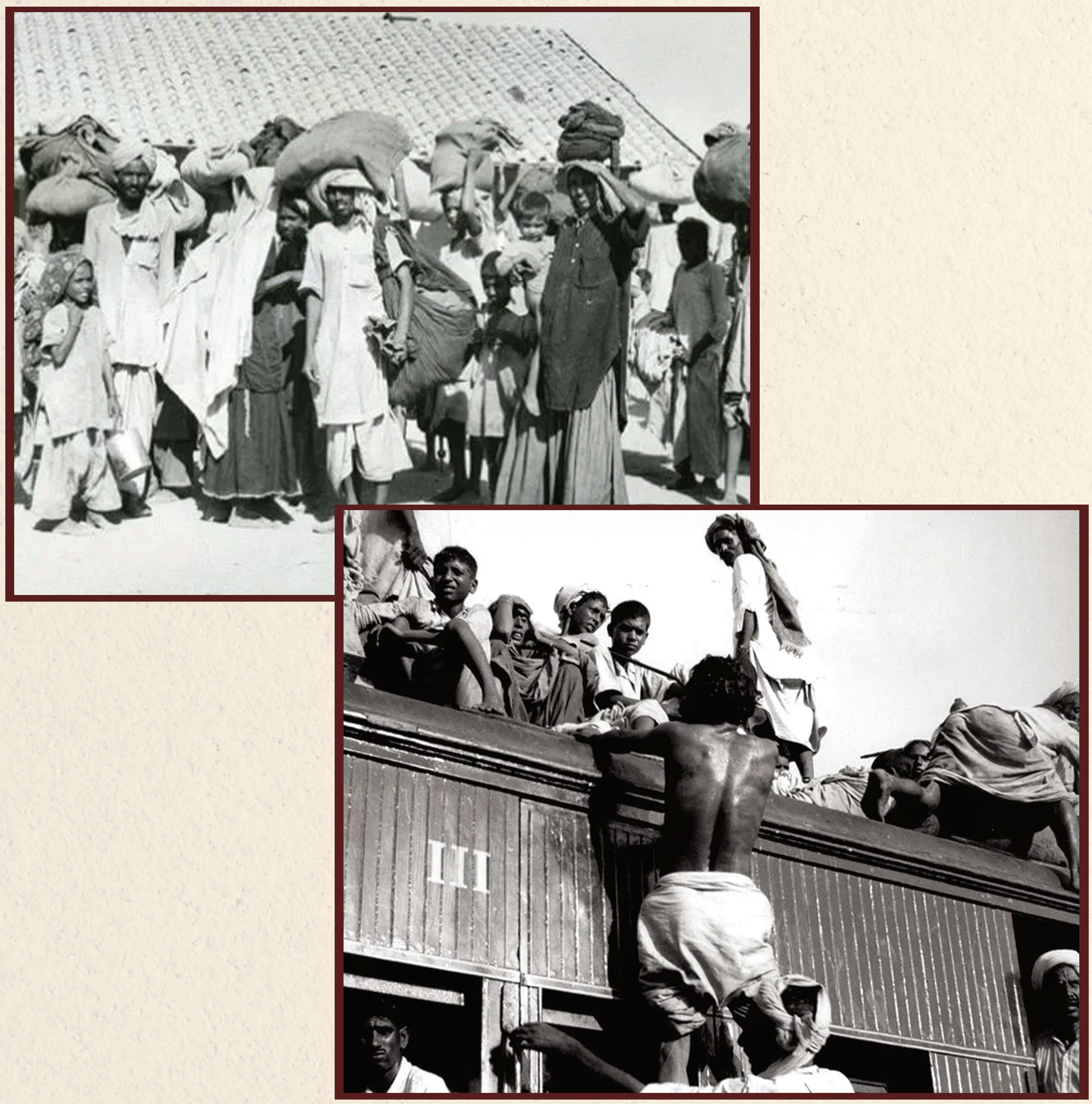




सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

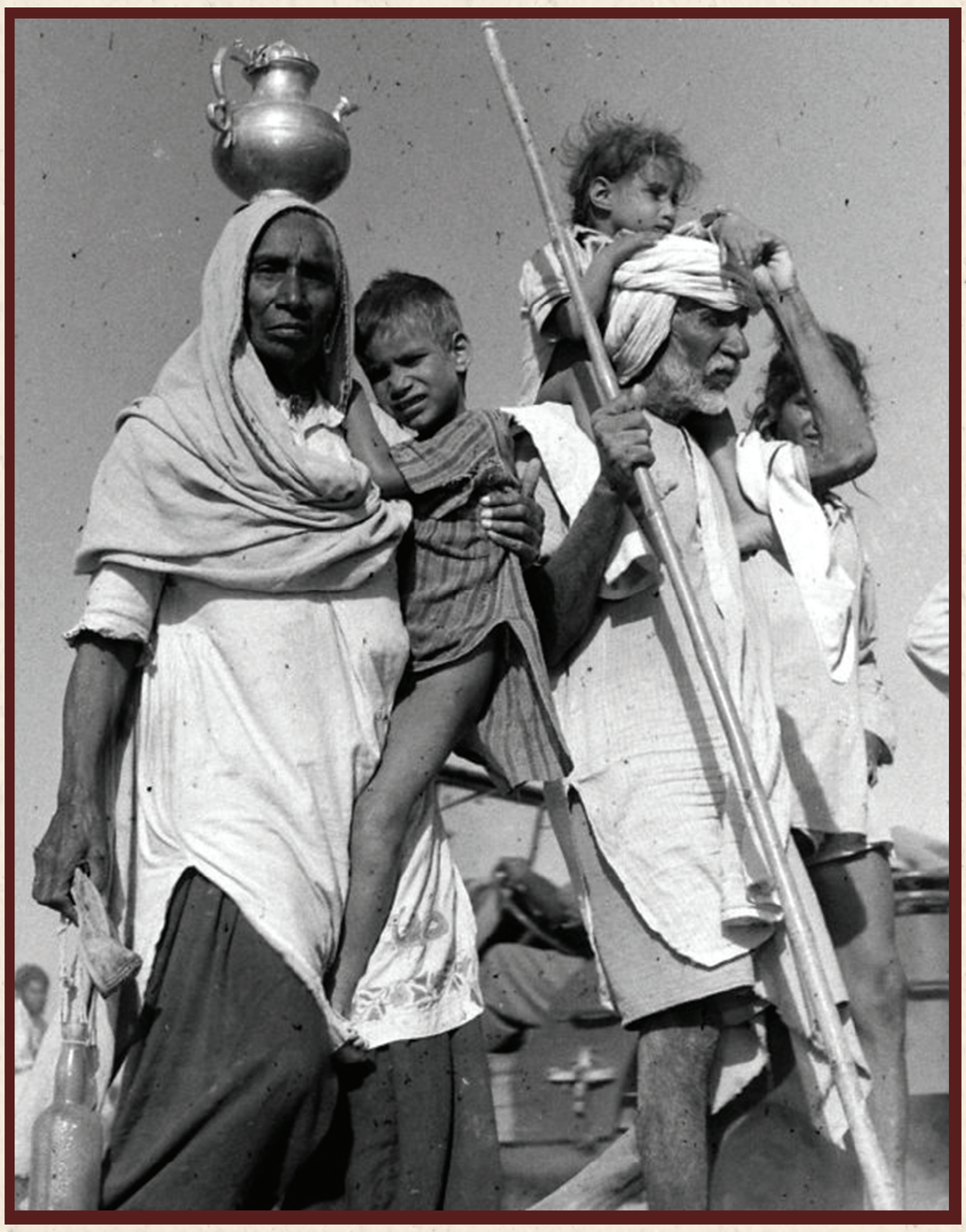


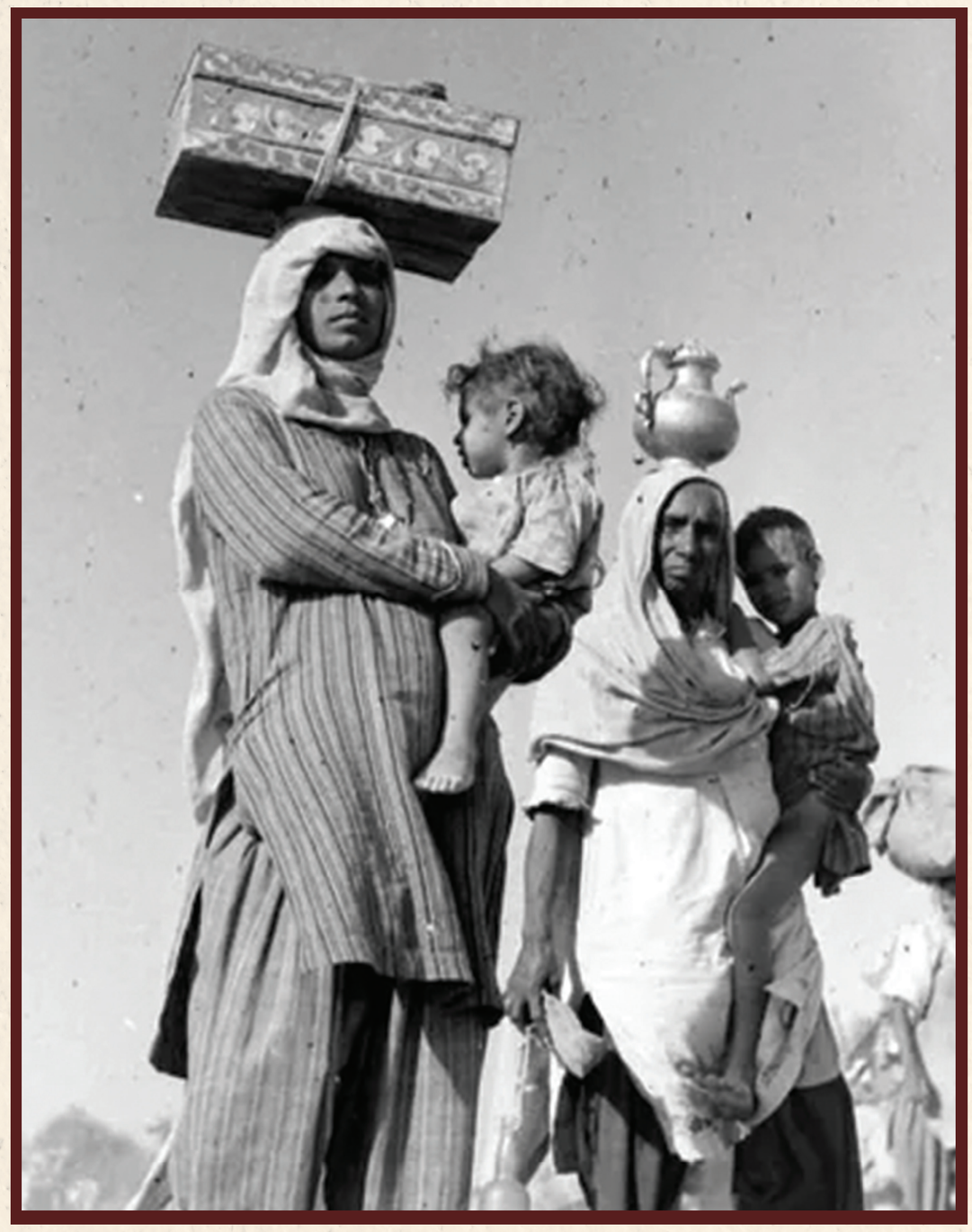
ओहि समय पाकिस्तानक पहिल राजधानी कराचीक सम्पूर्ण आबादीक 46% सँ बेसी हिन्दू छल।फलस्वरूप, विभाजनक समय, बहुत बेसी हिन्दूकेँ पलायन करबाक लेल बाध्य कयल गेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस







विभाजनक सबसँ बेसी मारि महिलासबपर पड़ल- एक टा आँकड़ाक अनुसार लगभग 55,000 हिन्दू आ सिख महिलाक अपहरण कयल गेल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

एक मुल्क की टीस लिए चलती रेलें



सन 1947 मे, लाखहु लोककेँ भारत आ पाकिस्तानक बीच नव घीचल सीमाक दुनू भाग जबर्दस्ती पलायन करबाक लेल बाध्य कयल गेल। एहि विशाल पलायनमे ट्रेनसभक महत्वपूर्ण भूमिका रहल। मात्र 15 अगस्त 1947सँ 8 सितम्बर 1947 धरि, अनुमानित 7 लाख शरणार्थी ट्रेनसँ यात्रा कयलनि।एतेक विशाल संख्यामे लोककेँ एक ठामसँ दोसर ठाम लऽ जयबाक लेल, यात्री ट्रेनसभक संग-संग मालगाड़ी सेहो प्रयोगमे आनल गेल।ई मात्र भौगोलिक विस्थापन नहि छल- ई भावनात्मक, सामाजिक आ आध्यात्मिक स्तरपर अत्यन्त पीड़ादायक आ आघातपूर्ण पलायन छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस





सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

आशा की डोर थामे एक भीड़ का पलायन

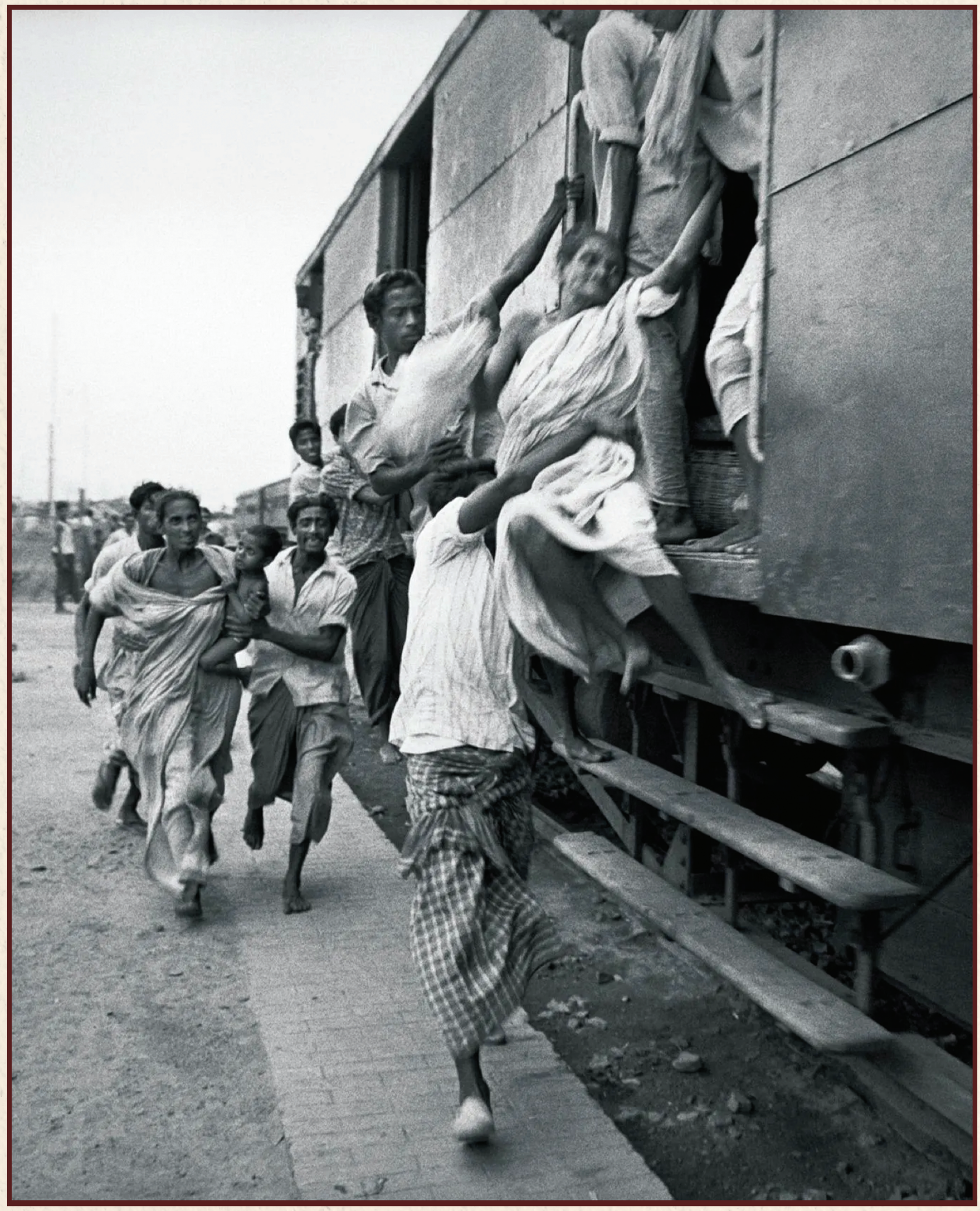
भयक वातावरण एतेक तीव्र छल जे सभक एकहि टा इच्छा छलै- कहुना सुरक्षित पहुँचि जाइ। परिणामस्वरूप, ट्रेनमे उपलब्ध हर इंच स्थान – चाहे ओ दू डिब्बाक बीचक खाली स्थान हो वा ट्रेनक छत- सबटा जगह भरि गेल। लोककेँ जतए कतहु स्थान भेटल, ओतहि अपनाकेँ ठूसि देलक।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

जीवित रहना ही एकमात्र लक्ष्य



जीवन बचबैक ओहि निराशाजनक अवधिमे, ने आरामक कोनो अर्थ छल आ ने सुविधा केर- बस एकहि टा उद्देश्य छल : कहुना सुरक्षित पहुँचि जयबाक। ई दृश्य ओहि समयक भय, असुरक्षा आ निराशाक सजीव साक्ष्य छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

अनदेखे नरसंहारों के साक्ष्य



भूताह ट्रेन- शरणार्थीसबकेँ लऽ जाइवाली ट्रेनसब प्रायः लक्ष्य बनि गेल छल आ यात्रीसभक निर्ममतासँ हत्या कयल गेल। एहन ट्रेन जखन केवल लहासहिसँ भरल अबैत छल तँ ओकरा “भूताह ट्रेन” कहल जाइत छल।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

क्षमता से परे, इंसानियत के लिए



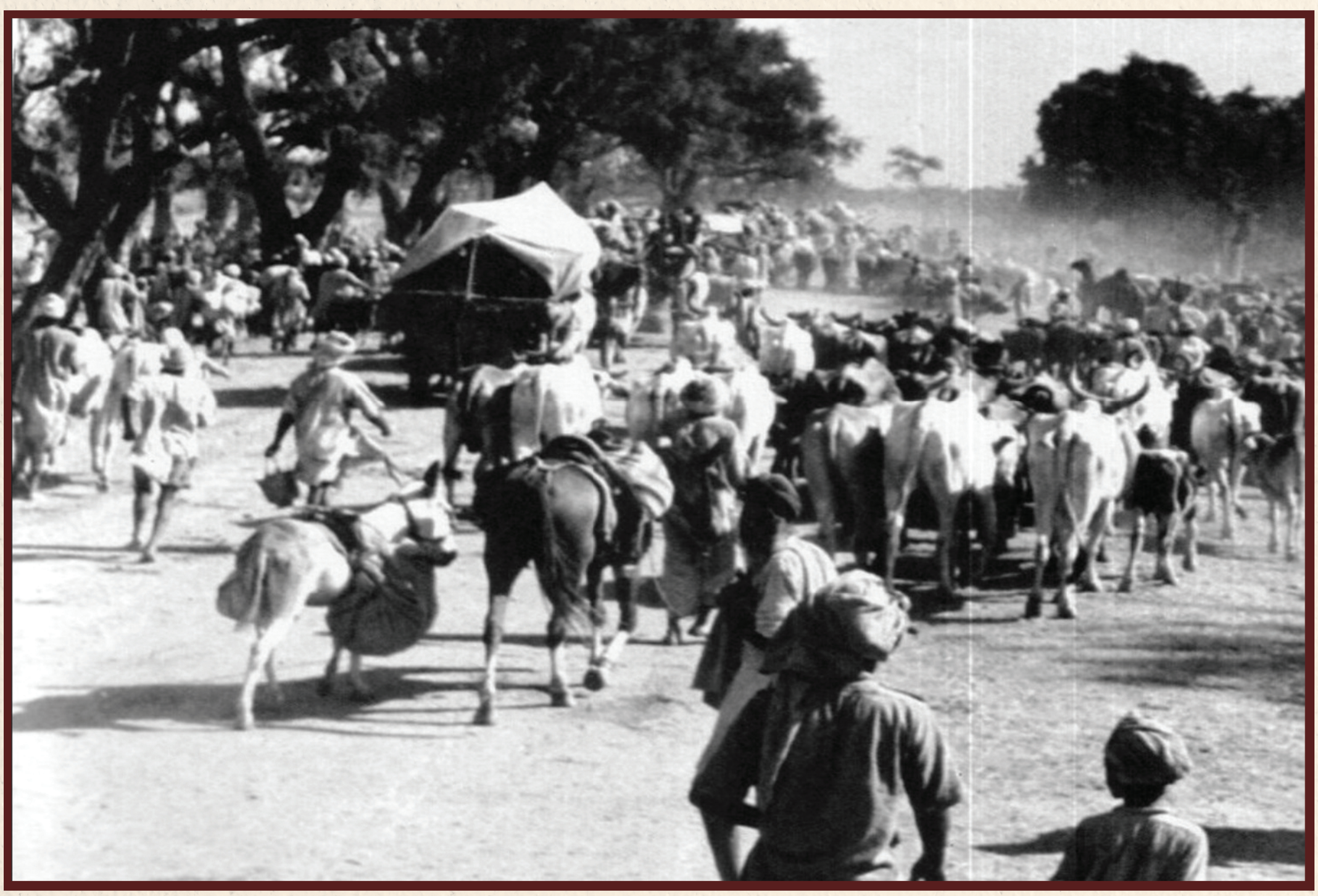
सन 1947मे भारतक लग 115 गोट नागरिक विमानक बेड़ा छल, जाहिमे 25 टा डकोटा विमान सेहो सम्मिलित छल।ई विमानसब अपन क्षमतासँ बहुत बेसी उड़ान भरिकेँ लोकक निकासमे सहायता कयलक आ लगभग 35,000 लोककेँ पलायन करबामे सहायता कयलक। बादमे राहत सामग्री पहुँचयबामे सेहो भूमिका निभौलक।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

जब आसमान बना सहारा



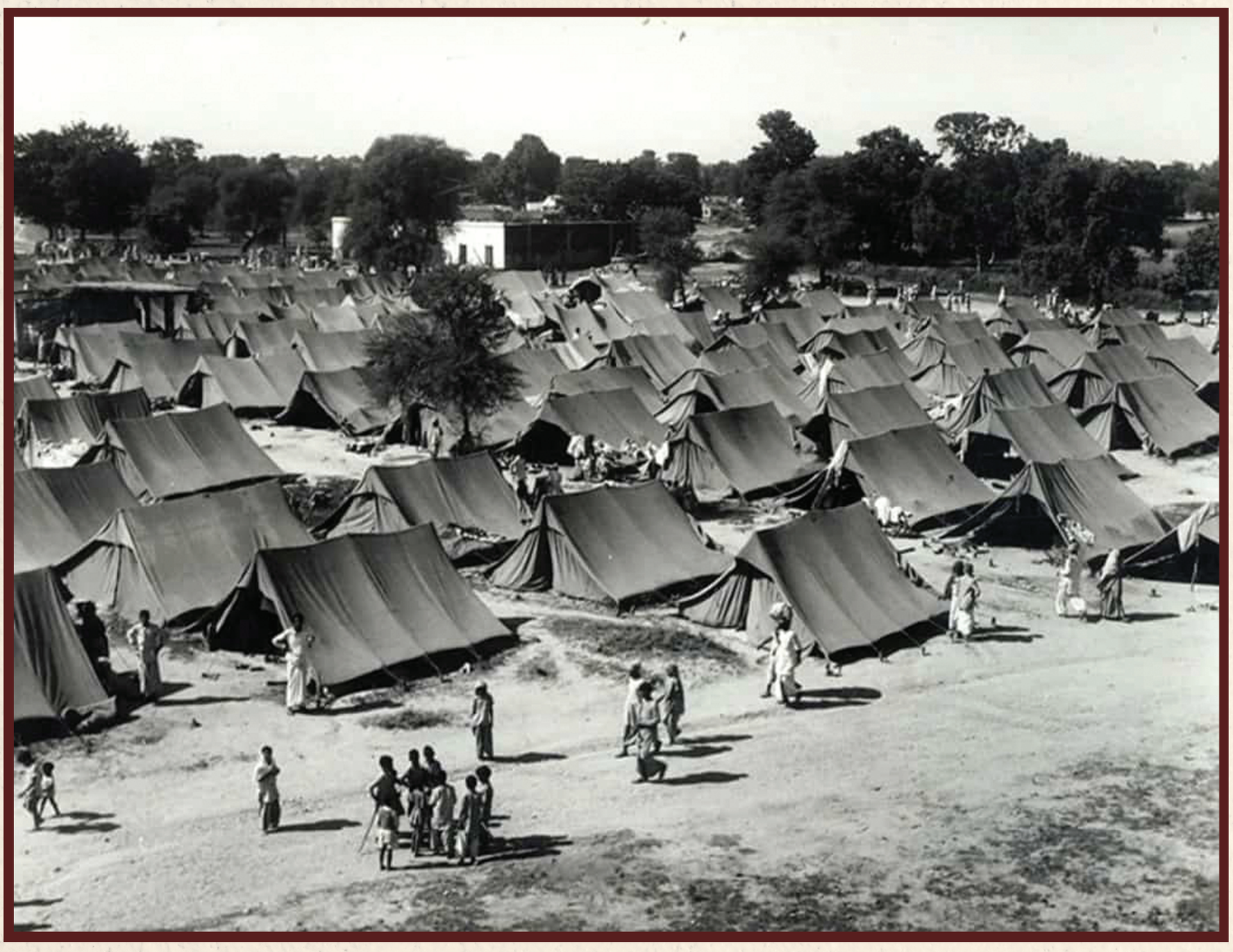
पलायनक समय भारतक वायुसैनिकक सेहो महत्वपूर्ण भूमिका रहल।जेनाकि, सितम्बर 1947मे, जहाज जखन पंजाबक ऊपर उड़ि रहल छल, तँ एक टा चकित करैवला दृश्य देखलक- लगभग तीस हजार शरणार्थी 25 माइल(लगभघ 40 किलोमीटर)क सीमामे पैदल चलि रहल छल। ई विमानसब देखलक जे थाकल शरणार्थीसब पर आक्रमण करबाक लेल शत्रुतापूर्ण भीड़ घात लगौने बैसल छल।जहाज तुरंत हुनकासभक स्थानक जनतब जमीनपर उपस्थित सैन्य गश्ती दलकेँ पहुँचा देलक।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

उजड़े सपनों का डेरा

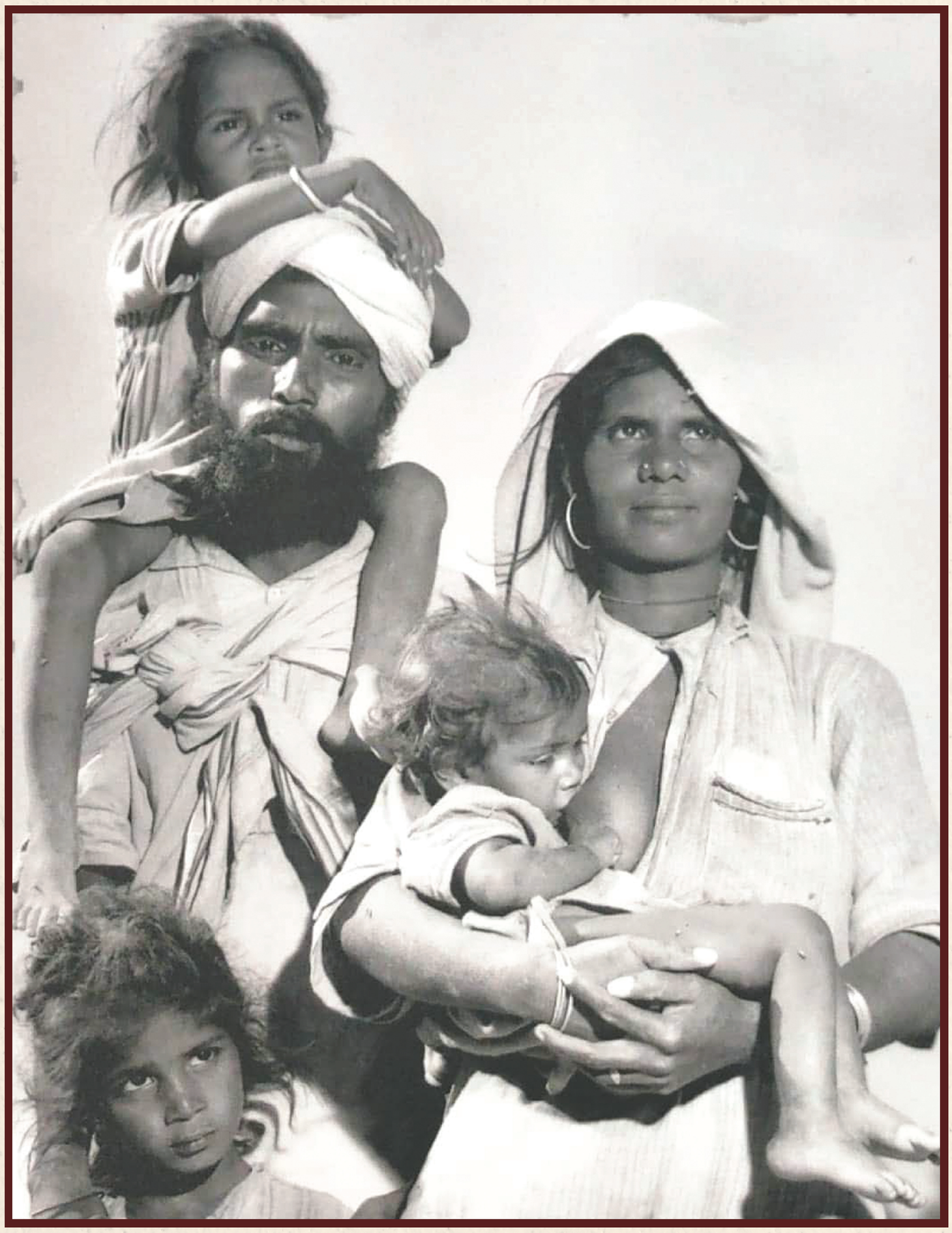


विभाजनक समय दिल्लीक किंग्सवे कैम्पमे सबसँ बेसी शरणार्थी रहल- लगभग 3 लाख।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस



हुनकासभक आशा, हुनकासभक सपना, हुनकासभक परिवार-आ
हुनकासभक मातृभूमि।